''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 73 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शुक्रवार, 14 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण कांग्रेस खत्म हो चुकी, कांग्रेस के पास न नीति, न नियत और न नेतृत्व

विधानसभा से कांग्रेस के वॉकआउट पर मुख्यमंत्री बोले, विपक्ष में सच्चाई सुनने की क्षमता नहीं

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही आज कांग्रेस खत्म हो चुकी है और जनता ने इन पर पूरी तरह विश्वास खो दिया है। कांग्रेस के पास न नीति है, न नियत है और न नेतृत्व है।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने हरियाणा के 2 करोड़ 80 लाख लोगों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस विधायकों द्वारा सदन से वॉकआउट करने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष में सच्चाई सुनने की क्षमता नहीं है। 2029 में तो कांग्रेस सदन में ही नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, वे केवल झूठ बोल कर आरोप लगाने के काम करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने निकाय चुनावों में कहा था कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण कांग्रेस जीरो पर आउट होगी और परिणाम ये रहा कि एक भी प्रत्याशी जीत नहीं पाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने झूठ बोलकर एक नैरेटिव फैलाया कि अगर श्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन गए तो संविधान खत्म हो जाएगा। जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तो संविधान को सुरक्षित कर रहे हैं, खत्म तो कांग्रेस हो रही है।

निकायों चुनावों के बाद डबल इंजन की सरकार में ट्रिपल इंजन जुड़ा

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए गर्व और गौरव का दिन है, क्योंकि आज ही के दिन एक साल पहले इसी सदन में मुझे हरियाणा की सेवा करने का अवसर मिला था। इसी सदन में मेरी सरकार ने बहुमत हासिल किया था। उस समय विपक्ष ने कई तरह की बातें की थी कि अनुभवी नहीं है, आखिर में ले आए। लेकिन उस दिन इस सदन में जो विश्वास हमें मिला था, वो केवल सदन का बल्कि हरियाणा की जनता का विश्वास था।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले एक साल से जनता ने हम पर भरोसा बनाए रखा है। हमारी सरकार ने बिना भेदभाव के काम किए हैं और गत दिवस आए निकाय चुनावों के परिणामों ने यह साबित कर दिया है। पिछले एक साल में 3 बार लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनावों में हरियाणा की जनता ने हमे आर्शीवाद दिया है। निकायों चुनावों की जीत ने डबल इंजन की सरकार में ट्रिपल इंजन जोड़ दिया है।

जनता ने कांग्रेस का हिसाब कर दिया

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आलोचना करना जन्मसिद्ध अधिकार है। लेकिन

आलोचना और आकलन किया जाना है तो अपना भी किया जाना चाहिए। विपक्ष ने अपने समय में क्या किया उसका भी आकलन किया जाना चाहिए। चुनावों के दौरान विपक्ष के नेता सरकार का हिसाब मांग रहे थे, लेकिन जनता ने कांग्रेस का हिसाब दे दिया। उन्होंने विपक्ष की स्थिति को शायराना अंदाज में बयां करते हुए कहा कि तुम्हारे पाँव के नीचे कोई जमीन नहीं है, कमाल तो ये है फिर भी तुम्हें यकीन नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान लगातार कहा कि सरकार ने कुछ नहीं किया। जबकि सरकार बनते ही हमने बिना पर्ची-बिना खर्ची 26 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने का काम किया।

सहायक प्रोफेसर के ग्रुप-बी के 2,424 पदों को भरने की प्रक्रिया हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा जारी है

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य के सभी राजकीय प्राथमिक तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में नियमित शिक्षकों के अलावा, अतिथि और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से तथा आंतरिक व्यवस्था के तहत अध्यापक कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि एम.आई.एस. पोर्टल के माध्यम से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर राजकीय महाविद्यालयों में 7,986 स्वीकृत पद हैं। इनमें से 5,422 पदों पर लेक्चरर कार्यरत हैं। विभिन्न विषयों में सहायक प्रोफेसर के ग्रुप-बी के 2,424 पदों को भरने की प्रक्रिया हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा जारी है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कहा कि विपक्ष द्वारा लगाया गया यह आरोप बिल्कुल निराधार है कि हरियाणा के 294 स्कूलों में एक भी विद्यार्थी नहीं है। केवल 28 ऐसे स्कूल है, जिनमें एक भी विद्यार्थी नहीं है। इन सभी 28 स्कूलों के अध्यापकों का समायोजन अन्य विद्यालयों में कर दिया गया है।

डीसी विक्रम सिंह ने जिलावासियों को दी होली व रंगोत्सव की शुभकामनाएं

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने जिलावासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा है कि जिलावासी ग्रीन होली अर्थात पर्यावरण के अनुकूल होली के पर्व को मनाये। होली पर्व के दौरान कोई भी ऐसा कार्य न करें, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचे। उन्होंने कहा है कि होली पर्व के दौरान पानी का प्रयोग न करें इसके स्थान पर फूलों व प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें ताकि प्रकृति के अनमोल संसाधन जल की बर्बादी न हो। उन्होंने कहा है कि होली के पर्व को आपसी भाईचारा व प्रेम की भावना के साथ मनाये। होली पर्व के दौरान महिलाओं का पूरा मान-सम्मान करें तथा पर्व के दौरान सहमति से ही होली खेले। डीसी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है। सभी त्यौहार सामाजिक सौहार्द का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि रंगों के त्यौहार होली को आपसी भाईचारा व उल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों विशेषकर युवा पीढ़ी से अपील करते हुए कहा कि नशा करके वाहन न चलाए तथा एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर त्यौहार मनाए। किसी भी पर्व की गरिमा सौहार्द से बनती है। ऐसे में सभी प्रदेशवासी और जिलावासी इस बार होली के अवसर पर सामाजिक सद्भाव, भाईचारा, प्यार प्रेम उमंग व उल्लास के साथ पर्व की शोभा बढ़ाए।

अजय चौटाला के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर वृद्धों को फल बांटे

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। युवाओं के प्रेरणास्त्रोत,युवा दिलों की धडक़न,जजपा संस्थापक अजय चौटाला के जन्मदिवस पर जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने पार्टी के अन्य पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ मिलकर एनएच-2 स्थित ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में बुजुर्गो को फल बांटे और उन्हें होली की भी बधाई दी। इस मौके पर प्रदीप चौधरी ने अजय चौटाला की लंबी आयु व स्वास्थय की भगवान से प्रार्थना की। प्रदीप चौधरी ने कहा कि अजय चौटाला ने हमेशा युवाओं को एक नई राह दिखाई है। उन्होनें कहा कि अजय चौटाला के उचित सही मागदर्शन ने पार्टी को नई बुलदियों तक तो पहुंचाया ही है साथ ही साथ युवाओं को भी आगे बढने.की प्रेरणा दी है।

प्रदीप चौधरी ने कहा कि अजय चौटाला पार्टी के मजबूत स्तंभ है जिनकी छत्रछाया में पार्टी को हमेशा मजबती मिली है और उनके कुशन नेतृत्व,सादगी और मृदुभाषी होन के कारण भारी संख्या में 36 बिरादरियों के लोग जजपा से जुड़े है। प्रदीप चौधरी ने कहा कि हॉल ही आए फरीदाबाद नगर निगम चुनाव के नतीजों में पूरे भारतवर्ष में जीत का रिकार्ड बनाने वाली श्रीमति प्रवीण बत्रा जोशी को व अन्य नवनियुक्त पार्षदों को वह शुभकामनाएं देते है और वह कामना करते है कि विजयी हुए पार्षद अपने वार्ड में ईमानदारी से और बिना भेदभाव के काम करेगें। फरीदबाद से गन्दगी,प्रदूषण,टूटी सडक़ेबदहाल सीवरेज व्यवस्था से लोगों को निजात दिलाएगें और पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए काम करेगें। इस अवसर पर प्रेम धनखड़, अमर नर्वत, टीकाराम भारद्वाज, जितेन्द्र चौधरी, गजेन्द्र भड़ाना, विनय धतरवाल, अशोक तंवर, नीरज चौधरी, परमिंदर कौशिक, आनन्द भाटिया व ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम के संचालक किशन लाल बजाज सहित कई जजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीसी अजय कुमार ने जिलावासियों को दी होली की शुभकामनाएं

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। डीसी अजय कुमार ने कहा कि होली के पावन पर्व पर सभी जिलावासी पानी की बचत करने का संकल्प लेकर प्रेम और सौहार्द के इस त्यौहार को इको फ्रेंडली तरीके से मनाए। होली खेलते हुए इस प्रकार के कलर का इस्तेमाल करें जो इको फ्रेंडली हो। इस दौरान किसी भी प्रकार की कॉस्मेटिक चीजों का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें। उन्होंने यह बात होली की पूर्व संध्या पर जिलावासियों के नाम जारी शुभकामना संदेश में कही। डीसी ने कहा कि जल संरक्षण हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में जल संरक्षण को अपनी दैनिक आदत बनाएं। होली पर पानी का संरक्षण करने के साथ-साथ प्रतिदिन व्यर्थ बहने वाले पानी के संरक्षण के बारे में भी सोचना जरूरी है। होली के अवसर पर बहुत पानी व्यर्थ हो जाता है। होली अगर गुलाल का तिलक लगाकर मनाई जाए तो न केवल पानी की बचत होगी बल्कि रसायनिक रंगों के त्वचा पर होने वाले दुष्प्रभाव से भी बचा जा सकता है। डीसी ने कहा कि होली का त्यौहार असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। जिस प्रकार से इस त्यौहार में होलिका रूपी बुराई को जलाकर सत्य की विजय हुई थी। ठीक उसी प्रकार से इस होली का दहन में आइए हम सभी अपने भीतर की बुराइयों का भी दहन करें और अपना बेहतरीन व्यक्तित्व विकसित करें।

उन्होंने जिलावासियों से इस अवसर पर किसी भी प्रकार की अनुशासनहीन गतिविधियों में खुद को शामिल ना करने की अपील करते हुए कहा कि यह त्यौहार सामाजिक समरसता को बढ़ाने वाला त्यौहार है ऐसे में कोशिश करें कि होली के उत्साह में किसी भी प्रकार से कानून का उल्लंघन ना हो।

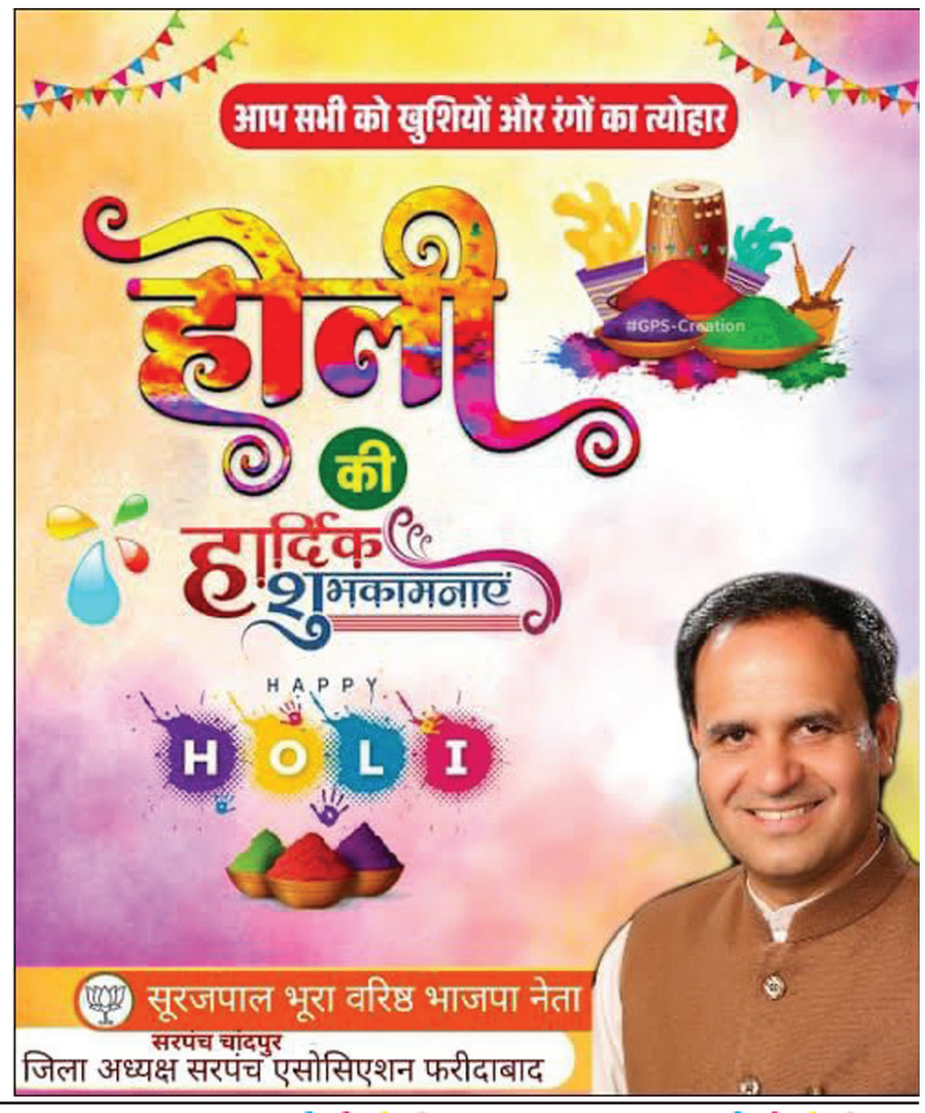

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता

है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है।

रंगों का महापर्व होली

रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

राधा-श्याम गोप और गोपियो की होली

इतिहासकारों का मानना है कि आर्यों में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्हय-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से 300 वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसन्त ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं।

सार्वजनिक होली मिलन

सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं।

होली से अगला दिन धूलिवंदन कहलाता है। इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है। लोग अपनी ईर्ष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।होली के दिन घरों में खीर, पूरी और पूड़े आदि विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दहीबड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं। पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं। इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्राय: सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता ।

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है।

होली खेलें पर सावधानी से

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है।

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

- अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।
- आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।
- बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।
- नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।
- घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।
- बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।
- ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।
- होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।
- यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।
- यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।
- यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है।

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं

आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

भगवान नृसिंह द्वारा हिरण्यकशिपु का वध

माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के दर्प में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है।

वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है। प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

संपादकीय

होली के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

पर्व-त्यौहारों के देश भारत वर्ष में रंग पर्व होली का त्यौहार प्रमुखता से मनाया जाता है। यह सामाजिक सद्भावना बढ़ाने का लोकपर्व है। इसे वसंतोत्सव भी कहा जाता है। इस त्यौहार का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। इसके देशज पहचान को समझने के लिए हमें विभिन्न राज्यों के प्रचलनों पर गौर करना होगा। उनके स्थानीय भावों को वहां प्रचलित गवनई के माध्यम से समझना होगा। शास्त्रों में इसे शूद्रों अर्थात सेवकों का त्यौहार भी कहा जाता है। इस दिन नए सफेद वस्त्र पहनने और तरह तरह के पकवान खाने का भी रिवाज है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

यूँ तो ब्रज की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं। ठंडई इस दिन का प्रचलित पेय है जो भांग से बनती है। इसमें मेवा और दूध भी डाले जाते हैं। इन सबको अतिथियों को भी परोसा जाता है। सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है ? दूसरा सवाल है कि होली जलाने का क्या कोई वैज्ञानिक कारण भी है या सिर्फ धार्मिक मान्यता ही है ?

भारत में आशविन मास में रावण दहन और फाल्गुन माह में होलिका दहन के द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जनमानस को दिया जाता है। इससे एक सप्ताह पहले और एक सप्ताह बाद तक होली मिलन समारोह मनाया जाता है, ताकि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक औए सांस्कृतिक समरसता बनी रहे। पहले के राजा और धन्नासेठ और आज के जनप्रतिनिधियों और कारोबारियों के द्वारा भी यह पर्व उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। अब तो यह विधान भारतीयों के साथ पूरी दुनिया में पहुंच गया है।

वहीं, जल रही होलिका में लोग खेतों से जौ, चने गेहूँ, आलू आदि नई फसलों की बालियाँ या फली तोड़कर भूनते हैं। यह भूनने की क्रिया करने का अर्थ है कि सर्वप्रथम हम अपने देवताओं को अन्न की आहुतियाँ प्रदान करते हैं। पहले आहुतियाँ अग्नि में ही दी जाती हैं। उसके बाद प्रसाद स्वरूप अन्न घर ले जाते हैं अर्थात उसके बाद गेहूँ, जौ आदि फसलों की कटाई शुरू होती है।

जहां तक वसंतोत्सव होली पर्व की वैज्ञानिकता की बात है तो यह पर्व पूर्ण रूप से वैज्ञानिकता पर आधारित है। क्योंकि जब जाड़े की ऋतु समाप्त होती है और ग्रीष्म ऋतु (गर्मी) का आगमन होता है, उस ऋतु संक्रमण काल में ही यह पर्व मनाया जाता है। चूंकि ऋतु बदलने के कारण अनेक प्रकार के संक्रामक रोगों का शरीर पर आक्रमण होता है, जैसे- चेचक, हैजा, खसरा आदि। लिहाजा, इन संक्रामक रोगों को वायुमण्डल में ही भस्म कर देने का यह सामूहिक अभियान होलिका दहन है।

आपको पता है कि पूरे देश में रात्रि काल में एक ही दिन होली जलाने से वायुमण्डलीय कीटाणु जलकर भस्म हो जाते हैं। यदि एक जगह से उड़कर ये दूसरी जगह जाना भी चाहें तो भी इन्हें स्थान नहीं मिलेगा, क्योंकि प्रत्येक ग्राम और नगर में होली की अग्नि जल रही होती है। अग्नि की गर्मी से कीटाणु भस्म हो जाते हैं, जो हमारे लिए अत्यधिक लाभकारी है। अत: वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का त्योहार उचित है। इसके अलावा, जलती होलिका की प्रदक्षिणा यानी चारों ओर चक्कर लगाने से हमारे शरीर में कम-से-कम 140 फॉरेनहाइट ताप वाली गर्मी प्रविष्ट होती है। उसके बाद यदि रोग उत्पन्न करने वाले जीवाणु हम पर आक्रमण करते हैं या हमें काटते हैं तो उनका प्रभाव हम पर नहीं होता है, क्योंकि हमारे अंदर आ चुकी उष्णता (गर्मी) से वे स्वयं नष्ट हो जाते हैं।

रोजगारी और बेरोजगारी : (नए भारत की एक बढ़ती चुनौती)

अनिरुद्ध
कक्षा- सातवीं- ए, सेंट जॉन्स स्कूल, सैक्टर 7- ए फरीदाबाद

भारत में बेरोजगारी की समस्या दिन-बा-दिन बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी एक गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्या है, जो न केवल युवाओं, बल्कि समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करती है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। बेरोजगारी के कारण आर्थिक विकास में बाधा आती है और लोगों के जीवन स्तर में गिरावट आती है। यह समस्या न केवल आर्थिक अस्थिरता का कारण बनती है, बल्कि अपराध और सामाजिक तनाव को भी बढ़ावा देती है। वर्तमान में, कोविड-19 महामारी के बाद, बेरोजगारी की दर में वृद्धि ने इस मुद्दे को और भी गंभीर बना दिया है। यह समस्या न केवल आर्थिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में असमानता और असंतुष्टता को को बढ़ावा देती है ।इसका मुख्य कारण होता है नौकरी के विकल्पों में कमी और लोगों के कौशल तथा नौकरी देने वाले के बीच कोई आवश्यक संबंध न होना। भारत में तेजी से बढ़ती आबादी इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देती है। बेरोज़गारी के और भी कई कारण है, जैसे-शिक्षा और कौशल में कमी, सरकारी नीतियों का असफल होना, अर्थिक स्थिति का रुकाव, उद्योगों में मशीनीकरण की बढ़ती प्रवृतति। बहुत से युवा शिक्षा और कौशल की कमी के कारण रोजगार के अवसर से वंचित रहते हैं। इन में से एक मुख्य कारण भारत की बढ़ती जनसंख्या भी है। अशिक्षित या फिर कम पढे-लिखे लोग रोजगार के अवसर से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए परिवर्तन लाने होंगे ; हमें देश की शिक्षा पद्धति में परिवर्तन लाना होगा, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों का निर्माण करवाना होगा जिससे हर क्षेत्र में विद्या का प्रकाश फैल सके और हमारा युवा शिक्षित हो।

हमें देश के युवा को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना होगा। हमारे देश में ऐसे अनेक लोग हैं जो अपने खुद के व्यवसाय चलाते हैं।

उद्योगों को बढ़ावा देना होगा ताकि छोटे शहरों के कम पढ़े-लिखे लोग भी रोजगार रखेंगे ।सरकार इस समस्या का समाधान करने के लिए कई पहले चला रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और प्रधान मंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीवाई) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार नौकरियों के अवसरों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना और ज्यादा लोगों को नौकरी पर रखने में सहायक होना है। हमारा देश विकास की उड़ान तभी भरेगा जब, देश का युवा सही राह पर चलेगा।

स्हरावत खाप ने लेफ्टिनेंट कंचन सेहरावत को किया सम्मानित

16 को भैंसरू खुर्द में आयोजित होने वाले सम्मेलन का दिया निमंत्रण

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। अखिल भारतीय सहरावत खाप की ओर से सम्मान समोह का आयोजन किया गया। जिसमें लेफ्टिनेंट कंचन सहरावत को सम्मानित किया गया। चेलावास निवासी कपिल सहरावत ने बताया कि इस समारोह में खाप के शीर्ष पदाधिकारियों ने पंहुचकर बेटी का मान-सम्मान किया। खाप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि सैनिक पृष्ठ भूमि से जुडी बेटी कंचन सहरावत ने सेना में उच्च पद प्राप्त किया है। उनके दादा कैप्टन श्रीचंद सहरावत व पिता सूबेदार विक्रम सिंह सहरावत भी भारतीय सेना का हिस्सा बन देश सेवा कर चुके हैं। कंचन ने स्थाई कमीशन ले करके गौत्र का नाम रोशन किया है। इसके बाद खाप प्रतिनिधियों ने चेलावास के खाप सद्स्यों को रविवार, 16 मार्च को रोहतक के भैंसरू खुर्द में आयोजित होने वाले चतुर्थ खाप सम्मेलन का निमंत्रण भी दिया। इस मौके पर संदीप सहरावत बिरोहड, खाप के प्रदेश अध्ययक्ष यशपाल सहरावत, सूरजभान सहरावत, सत्यवीर सिंह सहरावत, जगदीश सहरावत, दिलबाग सिंह, विनय सहरावत सहित प्रबुधजन उपसथित थे।

किसान साफ-सुथरी व सूखकर मंडी में लाए सरसों: एसडीएम

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में 15 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद शुरू होगी। लेकिन कनीना सब डिवीजन में अभी सरसों की कटाई शुरू की गई है जिससे लगता है कि कनीना मंडी में सरसों की खरीद संभवतया सप्ताहभर बाद हुच सकेगी। हांलाकि खरीद के लिए जिला प्रशासन व खरीद एजेंसी एवं मार्केट कमेटी की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि कनीना मंडी में सरसों की खरीद स्टेट वेय्र हाउस द्वारा की जाएगी। सरसों खरीद के दौरान मंडी में बिजली, पेयजल शौचलय व साफ-सफाई की उचित व्यवस्था रहेगी जिसके चलते किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। कनीना मंडी गेट पर मार्केट कमेटी की ओर से किसानों की सुविधा के लिए दो धर्मकांटे शुरू किए गए हैं। जहां वे अपने वाहनों से सरसों का वनज करवा सकेगें। सरकार की ओर से सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। फसल बेचने के अधिकतम 72 घंटे के बाद फसल की राशि किसानों के बैंक खाते में डाल दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सरसों का पंजीकरण करवाया है। वे एक दिन में 25 किवंटल सरसों मंडी में बेच सकता है। महेंद्रगढ़ जिले में इस बार 1.50 लाख एमटी सरसों खरीद का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि किसान मंडी आते समय फसल को अच्छी तरह से सुखाकर और साफ करके लाएं। स्टेट वेयर हाउस के प्रबंधक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सरसों खरीद के प्र्याप्त संख्या में बारदाना उपलब्ध है वहीं उनकी ओर से सभी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। सरसों की कटाई शुरू होने के चलते 15 मार्च बाद खरीद शुरू होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

चीनी उद्यमों को मिल रहे विकास के मौके : जन प्रतिनिधि थ्येन चीछुन

बीजिंग, एजेंसी। वर्ष 2025 की दो सत्रों में प्रस्तुत सरकारी रिपोर्ट में नई किस्म वाले

औद्योगिकीकरण और प्रगतिशील विनिर्माण बढ़ाने पर जोर लगाया गया। इससे राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की सदस्य और लंबे समय से निर्माण उद्योग में कार्यरत इंजीनियर थ्येन चीछुन बहुत प्रोत्साहित हुईं। उन्होंने सीएमजी के संवाददाता के साथ बातचीत में कहा कि सरकार रील इकोनॉमी और विनिर्माण उद्योग को बहुत महत्व दे रही है, जिसने चीनी उद्यमों के लिए विकास का अभूतपूर्व मौका लाया है। थ्येन चीछुन दक्षिण चीन के हुनान प्रांत की चुचो शहर थ्येनछिओ क्रेन लिमिटेड कंपनी से आती हैं। वे अल्पसंख्यक जाति थुच्या की हैं। उन्होंने बताया कि चुचो शहर चीन का महत्वपूर्ण पुराना उद्योग अड्डा है। इधर कुछ साल चुचो शहर व्यावसायिक उन्नयन का रास्ता निकालने में सक्रिय रहा। वह ट्रेक यातायात तथा मध्यम व छोटे विमान के इंजन जैसे परंपरागत उद्योग के विकास के साथ चीनी नेविगेशन व्यवस्था पेइतो प्लस, नवीन ऊर्जा, छोटी अर्थव्यवस्थाओं जैसे नवोदित व्यवसायों के विकास पर खास जोर लगा रहा है, जिससे सफलतापूर्वक व्यावसायिक ढांचे की विविधता पूरी की गई। थ्येन चीछुन के विचार में चुचो शहर का एक कुंजीभूत अनुभव उद्योग, शोध व अनुसंधान और प्रयोग का गहरा मिश्रण है। विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्था और उद्यम के घनिष्ठ सहयोग से वैज्ञानिक व तकनीकी उपलब्धियों के वास्तविक प्रयोग में बदलाव को गति मिली है। विनिर्माण उद्योग से आई जन प्रतिनिधि के नाते थ्येन चीछुन ने अपने काम और पड़ताल के मुताबिक दो सत्रों में परंपरागत विनिर्माण उद्योग के गुणवत्ता विकास पर अपना सुझाव भी रखा।

मुक्त व्यापार के लिए अमेरिका के प्रतिबद्ध होने तक कनाडा शुल्क जारी रखेगा : कार्नी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के अगले प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार तब तक शुल्क जारी रखेगी जब तक अमेरिका सम्मान नहीं दिखाता और मुक्त व्यापार के लिए प्रतिबद्ध नहीं होता। कार्नी की टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने कनाडा के लिए शुल्क बढ़ाने का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के लिए इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर लगाए जाने वाले सीमा शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मंगलवार को घोषणा की। इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार युद्ध गहराने के आसार बनते दिख रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि शुल्क वृद्धि का यह फैसला बुधवार से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शुल्क में वृद्धि कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार के अमेरिका को बेची जाने वाली बिजली की कीमतें बढ़ाने की प्रतिक्रिया है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के स्थान पर शपथ लेने वाले कार्नी ने कहा कि ट्रंप के नवीनतम शुल्क कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों पर हमला हैं। कार्नी ने कहा, ''मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हमारी प्रतिक्रिया का अमेरिका में अधिकतम प्रभाव हो और यहां कनाडा में न्यूनतम प्रभाव हो, साथ ही प्रभावित श्रमिकों का समर्थन किया जाएगा।

हर साल एक लाख स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी सरकार, रूसी खतरे के बीच रिजर्व सेना बनाना लक्ष्य

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड सरकार 2027 से हर साल 100,000 स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी। इसके पीछे का उद्देश्य रूस के बढ़ते खतरे के बीच एक रिजर्व सेना बनाना है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों और अन्य सरकारी अधिकारियों से कहा है कि वे भी सैन्य प्रशिक्षण लें, और इसे पूरी तरह से स्वीकार किया गया है। पीएम टस्क ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि पोलैंड को 500,000 सैनिकों की जरूरत है, जो वर्तमान संख्या से दोगुने से भी अधिक है। इसमें पेशेवर सेना, क्षेत्रीय रक्षा बल के अलावा रिजर्व भी शामिल होंगे। रूस द्वारा यूक्रेन पर लगातार मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए जाने और ट्रंप प्रशासन द्वारा नाटो के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाए जाने के कारण हाल के हफ्तों में पोलैंड में सुरक्षा चिंताएं तेजी से बढ़ी हैं। पीएम टस्क ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार सभी पोलिश पुरुषों के लिए सैन्य प्रशिक्षण की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने मंगलवार को इस बारे में और अधिक जानकारी दी। पीएम टस्क ने अपने मंत्रियों से कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि स्वयंसेवकों की कोई कमी नहीं होगी। बता दें कि पिछले साल, पोलिश सरकार ने कहा था कि सेना में लगभग 200,000 सैनिक हैं और इस साल यह संख्या बढ़कर 220,000 हो जाएगी, जिसका लक्ष्य लगभग 300,000 तक बढ़ाना है।

जो करना है कर लो, हम समझौता नहीं करेंगे, ईरान की अमेरिका को दो टूक

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। पेजेश्कियन ने कहा कि ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि वे (अमेरिका) हमें आदेश दें और धमकाएं। मैं आपके साथ कोई बातचीत नहीं करूंगा। आपको जो करना है कर लें। इससे पहले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने शनिवार को कहा था कि तेहरान धमकाने वाले देशों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। ईरान की तरफ से यह बयान ऐसे वक्त सामने आए हैं।

नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट सियासी दलों में बेचैनी, विपक्ष की आपात बैठक

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट ने विभिन्न सियासी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। राजधानी काठमांडो में रविवार को पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत के लिए हजारों की भीड़ उमड़ने के पहले ही सियासी दलों को संभवतः हवा के बदलते रुख का अंदाजा हो गया था। यही वजह है कि मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (माओवादी सेंटर) अध्यक्ष पुष्प कमल दहल और अन्य शीर्ष पदाधिकार शनिवार को ही राजधानी लौट आए थे।

राजशाही समर्थकों की रैली के एक दिन बाद सोमवार को माओवादी सेंटर के पदाधिकारियों ने एक आपात बैठक की। इसमें राजशाही समर्थकों की गतिविधियों और देश को फिर हिंदू राष्ट्र का दर्जा देने की बढ़ती मांग पर मंथन किया गया। काठमांडो में पूर्व नरेश के भव्य स्वागत से पहले ही सीपीएन (माओवादी सेंटर) ने तराई-मधेश जिलों में महीने भर चलने वाले जागृति अभियान को अचानक रोक दिया था। पार्टी की बैठक के बाद प्रचंड ने सोशलिस्ट फ्रंट में शामिल दलों के नेताओं के साथ मुलाकात भी की। इस फ्रंट में माओवादी सेंटर के अलावा सीपीएन (एकीकृत समाजवादी), जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल, जनमत पार्टी और नेत्र बिक्रम चंद बिप्लव के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी शामिल हैं। राजशाही समर्थकों ने रैली में पूरे उत्साह से नारे लगाए थे-महल खाली करो, हमारे

राजा आ रहे हैं। हालांकि, नेपाली सियासी दलों का मानना है कि देश में राजशाही की वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है।

हर राज्य में खराब शासन से निराश हैं लोगः सपकोटा : मुख्य विपक्षी दल माओवादी सेंटर की बैठक में शीर्ष नेताओं ने माना कि देश में राजशाही की मांग उठना और स्वागत रैली में बड़ी संख्या में आम लोगों की भागीदारी मौजूदा सरकार की विफलता से उपजी निराशा की अभिव्यक्ति है। माओवादी सेंटर के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि लोग हर राज्य निकाय में खराब शासन से निराश हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रगतिशील ताकतों को पूर्व राजा की बढ़ती सक्रियता के प्रति सतर्क रहने के लिए भी आगाह किया।

विपक्ष बड़े प्रदर्शन की तैयारी में : जनता की नाराजगी और पूर्व नरेश के पक्ष में लामबंदी को देखते हुए विपक्ष दलों का गठबंधन मौजूदा सरकार के खिलाफ व्यापक स्तर पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। इसकी तारीख बाद में तय की जाएगी। इस बीच, प्रचंड ने अपनी सियासी सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद वह एकीकृत समाजवादी अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल से मिले। नेपाल ने प्रतिक्रियावादी तत्वों के फिर से उभरने के लिए सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जिम्मेदार ठहराया।

देउबा बोले-राजशाही के पक्ष में कोई लहर नहीं : विपक्ष जहां राजशाही समर्थकों की सक्रियता बढ़ने के लिए मौजूदा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है। वहीं सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता शेर बहादुर देउबा ने काठमांडो की रैली को नियमित घटना बताया। उन्होंने कहा, मुझे राजशाही के पक्ष में कोई लहर नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष ओली ने भी रविवार के आयोजन को सामान्य बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, इसे बाहरी लोगों का समर्थन प्राप्त है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती का जवाब क्रांति से दिया जाएगा : प्रचंड : नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री व सीपीएन (माओवादी सेंटर) पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने मंगलवार को राजशाही समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने के किसी भी प्रयास का जवाब क्रांति से दिया जाएगा। प्रतिनिधि सभा में विशेष संबोधन में मुख्य विपक्षी दल के नेता ने राजशाही समर्थकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर अपनी जगह तलाशने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा गणतंत्र व्यवस्था ने पूर्व राजा को सुरक्षा प्रदान की है। अगर राजशाही समर्थक ताकतें इसे खत्म करने का प्रयास करती हैं, तो उनके जवाब में एक कठोर क्रांति होगी। उन्होंने कहा कि राजशाही समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों के पीछे सरकार का खराब प्रदर्शन, देश की अराजक स्थिति और लोगों के मन में अविश्वास है। माओवादी प्रमुख प्रचंड को राजशाही समर्थकों की गतिविधियों के पीछे एक संगठित प्रयास का संदेह है।

पुर्तगाल: लुइस मोंटेनेग्रो की गिरी सरकार, संसद में नहीं हासिल कर पाए जरूरी मत

लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए, जिससे उनकी सरकार गिर गई। एक साल से भी कम समय तक चली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। इसमें भाग लेने वाले 224 सांसदों में से केवल मोंटेनेग्रो की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी), पीपुल्स पार्टी (सीडीएस-पीपी) और लिबरल इनिशिएटिव ने उनका समर्थन किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोशलिस्ट पार्टी (पीएस), दूर-दराज़ चेगा, लेफ्ट ब्लॉक (बीई), कम्युनिस्ट पार्टी (पीसीपी), लिवरे और पैन के एकमात्र सांसद ने उनके खिलाफ़ मतदान किया। सटीक वोटों की गिनती तुरंत उपलब्ध नहीं थी, लेकिन संसद के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको ने कहा कि केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार हार गई। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के नेतृत्व वाली दो-पक्षीय गठबंधन सरकार, जो एक साल से भी कम समय से सत्ता में है, के पास मौजूदा 230 सीटों वाली विधायिका में सिर्फ़ 80 सीटें हैं। विपक्षी सांसदों के भारी बहुमत ने इसके खिलाफ़ मतदान करने की कसम खाई थी। पुर्तगाल के संविधान के तहत, विफल विश्वास मत के लिए सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। मोंटेनेग्रो का प्रशासन अब एक कार्यवाहक क्षमता में काम करेगा, जो केवल आवश्यक और ज़रूरी मामलों को संभालेगा। राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से संसद को भंग करने और अचानक चुनाव कराने की उम्मीद है, जिसके बारे में उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि यह 11 मई या 18 मई को हो सकता है। मोंटेनेग्रो ने अपने कार्यकाल के दौरान दो पिछले विश्वास प्रस्तावों के बाद, खुद ही विश्वास मत की पहल की। ??एक पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय से जुड़े हितों के टकराव के घोटाले के कारण उनका नेतृत्व सवालों में घिर गया था। मोंटेनेग्रो आम चुनाव जीतने के बाद अप्रैल 2024 में प्रधान मंत्री बने। हालांकि, उनके गठबंधन को 230 सीटों वाली संसद में केवल 80 सीटें मिलीं।

बांग्लादेश में जब्त होंगी शेख हसीना की पारिवारिक संपत्तियां और बैंक खाते

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। ढाका की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के धानमंडी स्थित आवास सुदासदन और भारत में निर्वासित उनके परिवार के सदस्यों की कुछ अन्य संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने उनके परिवार के 124 बैंक खातों को भी जब्त करने का आदेश दिया है। शेख हसीना के घर का नाम उनके पति के नाम पर रखा गया है। ढाका मेट्रोपोलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की याचिका के बाद मंगलवार को यह आदेश जारी किया। शेख हसीना के पति, दिवंगत परमाणु वैज्ञानिक एम.ए. वाजेद मिया, का उपनाम सुधा मिया था। उनके नाम पर घर का नाम सुदासदन रखा गया।

बेटे और बेटी की संपत्ति जब्त करने का आदेश : शेख हसीना के अलावा, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रेहाना और उनकी बेटियों ट्यूलिप सिद्दीकी और रादवान मुजीब सिद्दीकी की कुछ अन्य संपत्तियां भी जब्त की गई हैं। बांग्लादेश ने हसीना के खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। वहीं, बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने मोहम्मद यूनुस के विचारों को दोहराते हुए कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं हो सकता।

व्हाइट हाउस ने कोलंबिया विश्वविद्यालय पर डाला दबाव, कहा- फलस्तीन समर्थकों की पहचान उजागर नहीं कर रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय संघीय एजेंटों को उन लोगों की पहचान करने में मदद नहीं कर रहा है, जो फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। प्रशासन ने स्कूल को दंडित करने के लिए संघीय अनुसंधान फंडिंग में कटौती करना जारी रखा है।

आव्रजन प्रवर्तन एजेंटों ने शनिवार को महमूद खलील नामक एक फलस्तीनी कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। वह एक वैध अमेरिकी निवासी है और पिछले साल कोलंबिया में प्रदर्शनों में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। अब उसे निर्वासन का सामना करना पड़ा रहा है। प्रदर्शनकारियों की पहचान के लिए खुफिया जानकारी जुटा रहे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस संबंध में वाशिंगटन में प्रेस ब्रीफिंग की। लेविट ने कहा कि संघीय अधिकारी इस्राइल की आलोचना करने वाले प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसे लोगों को यहूदी विरोधी और हमास समर्थक मानता है। मदद करने से इनकार कर रहा कोलंबिया विश्वविद्यालयः लेविट लेविट ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय को प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान के लिए नाम दिए गए थे। हालांकि, वह कैंपस में उन व्यक्तियों की पहचान करने के लिए होमलैंड सुरक्षा विभाग की मदद करने से इनकार कर रहा है। लेविट ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में बहुत दृढ़ता से कहा

था, वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। कोलंबिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया। विश्वविद्यालय पर यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहने का आरोप ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि कोलंबिया विश्वविद्यालय से 400 मिलियन डॉलर के अनुदान और अनुबंध वापस ले लिए हैं, यह आरोप लगाते हुए कि विश्वविद्यालय परिसर में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहा है। इन कटौतियों में नेशल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने सोमवार देर रात 250 मिलियन डॉलर से अधिक के वित्तपोषण में कटौती की। पिछले साल छात्रों ने बड़े पैमाने पर किया विरोध प्रदर्शन बता दें कि पिछले साल छात्रों ने गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने और फलस्तीनियों के मानवाधिकारों को मान्यता देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे, जिससे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया था। विश्वविद्यालय को बाद में प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था खलील 30 वर्षीय खलील प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था। उस पर किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया। हालांकि, कैरोलिन लेविट ने कहा कि हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने खलील के खिलाफ आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सरकार अवैध तरीके से आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही : वकील वहीं, सिविल राइट्स समूहों और खलील के वकीलों का कहना है कि सरकार उसे बोलने से रोकने के लिए अवैध तरीके से अपनी आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है। एक संघीय न्यायाधीश ने सुनवाई तय की है और सरकार को खलील को निर्वासित करने से रोकने का आदेश दिया है।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण के लिए बातचीत शुरू, इस्राइल-हमास मतभेदों के बावजूद उम्मीदें कायम

दोहा, एजेंसी। गाजा संघर्ष विराम को लेकर कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ। हमास के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल रहमान शदीद ने कहा कि उनका आंदोलन इन वार्ताओं को सकारात्मक और जिम्मेदारी से ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन इन वार्ताओं को जिम्मेदारी से ले रहा है। साथ ही हम इसे सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने की उम्मीद रखते हैं। बता दें कि संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के लिए इस्राइल ने भी अपने वार्ताकारों की टीम भेजी है। हालांकि एक पक्ष ये भी है कि अभी तक इस्राइल की ओर से किसी भी प्रकार का बयान नहीं जारी किया गया है इस वार्ता को लेकर।

शदीद ने ट्रंप प्रशासन की जिम्मेदारी पर दिया जोर : शदीद ने उम्मीद जताई कि यह वार्ता दूसरे चरण की शुरुआत की दिशा में ठोस प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मध्य पूर्व दूत, स्टीव विटकॉफ, युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता शुरू करने में मदद करेंगे। शदीद ने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इस्राइल सरकार के प्रति अपने समर्थन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

नई वार्ता के बीच भी गतिरोध जारी : देखा जाए तो गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्राइल और हमास के बीच मतभेद बने हुए हैं। हमास चाहता है कि अगले चरण की वार्ता तुरंत शुरू हो, जबकि इस्राइल पहले चरण को और बढ़ाना चाहता है। इतना ही नहीं हमास ने इस्राइल पर युद्ध विराम समझौते से मुकरने का आरोप लगाया है। सोमवार को एक बयान में हमास ने कहा कि इस्राइल दूसरे चरण को शुरू करने से इंकार कर रहा है, जिससे उसकी टालमटोल करने की मंशा साफ हो रही है। इस वार्ता के शुरू होने से पहले रविवार को इस्राइल ने गाजा के बिजली की आपूर्ति रोक दी, जिसे हमास ने सस्ती और अस्वीकार्य ब्लैकमेल कहा। इस्राइल ने गाजा को राहत सामग्री की आपूर्ति भी रोक दी है, जिसके बाद हमास ने कहा कि इससे गाजा में खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं और दवाइयों की भारी कमी हो गई है, जिससे मानवीय संकट और बढ़ गया है। गौरतलब है कि 15 महीनों के भीषण सघर्ष के बाद गाजा में शुरू हुआ संघर्ष विराम का पहला 42 दिन का चरण मार्च की शुरुआत में समाप्त हो चुका है।

ट्रंप ने खरीदी लाल रंग की टेस्ला कार, बोले- मस्क को देशभक्त होने के लिए सजा नहीं दी जा सकती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क की कंपनी टेस्ला की खूबसूरत लाल रंग की कार खरीदी है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एलान किया था कि वे एक टेस्ला कार खरीदेंगे ताकि एलन मस्क का समर्थन किया जा सके। इसके बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस के बाहर एलन मस्क की कंपनी की 4-5 गाड़ियां पार्क की गईं, जिनमें साइबर ट्रक भी शामिल था। इनमें से ट्रंप ने अपने लिए लाल रंग की कार को पसंद किया।

ट्रंप ने एलन मस्क को बताया देशभक्त : डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग की कमान संभाल रहे एलन मस्क की तारीफ भी की और उन्हें एक अच्छा इंसान और देशभक्त करार दिया। ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब मैंने देखा कि मस्क और उनकी कंपनी को निशाना बनाया जा रहा है तो मैंने टेस्ला कार खरीदने का फैसला किया। यह सार्वजनिक तौर पर हुई खरीद थी और वे (एलन मस्क) अच्छा काम कर रहे हैं। ट्रंप द्वारा टेस्ला कार ऐसे समय खरीदी गई है, जब टेस्ला के शेयरों में तेज गिरावट देखी जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव में मस्क द्वारा डोनाल्ड ट्रंप का खुलकर समर्थन किया गया है और उसके बाद सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में जिस तरह से मस्क ने संघीय सरकार के खर्च में बड़े पैमाने पर कटौती की है और बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकाला है, उससे मस्क अपने आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं।

टेस्ला की कारों और शोरूम को बनाया जा रहा निशाना : ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ लोगों के समूह द्वारा मस्क के साथ गलत किया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि लोग ये समझें कि देशभक्त होने के लिए मस्क को सजा नहीं दी जा सकती। ट्रंप ने कहा कि हिंसक प्रदर्शनों को घरेलू आतंकवाद माना जाएगा। बता दें कि हाल के दिनों में टेस्ला की कई गाड़ियों में सार्वजनिक तौर पर सड़कों पर तोड़फोड़ की गई। साथ ही टेस्ला के शोरूमों को भी निशाना बनाया गया। टेस्ला के चार्जिंग स्टेशन भी निशाने पर हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा के साथ कर सकते हैं भारत की यात्रा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी उषा वेंस इस महीने के अंत तक भारत की यात्रा करेंगे. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है. अमेरिकी उपराष्ट्रपति के रूप में वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी. पिछले महीने वेंस ने फ्रांस और जर्मनी की यात्रा की थी.

वेंस की पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं. उनके माता-पिता भारत से अमेरिका में आकर बस गए थे. जेडी वेंस भारत की यात्रा ऐसे समय में करेंगे, जब दोनों देशों के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है. मंगलवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अमेरिका पर विभिन्न देशों की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर चिंता जताई. साथ ही भारत द्वारा अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि आज अमेरिका के पास एक ऐसा राष्ट्रपति है जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों के हितों के लिए चिंतित है. लेविट ने कहा कि कनाडा में अमेरिकी पनीर और मक्खन पर लगभग 300 प्रतिशत टैरिफ है. जबकि भारत में अमेरिकी शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ है. उन्होंने सवाल किया, क्या आपको लगता है कि इससे केंटकी बोरबॉन को भारत में निर्यात करने में मदद मिल रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता. भारत से कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ है.

टैरिफ को लेकर विवाद : पिछले सप्ताह, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के टैरिफ पर हमला करते हुए कहा था कि उच्च टैरिफ के कारण भारत को कुछ भी बेचना असंभव है. इसके बाद उन्होंने यह भी दावा किया था कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ में कटौती करने पर सहमत हो गया है. हालांकि, ट्रंप के टैरिफ कटौती वाले दावे के बाद भारत ने सफाई दी कि उसने

कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है. पेरिस में जेडी वेंस से मिले थे पीएम मोदी इससे पहले फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार से मुलाकात की थी. साथ ही उन्होंने वेंस के बेटे विवेक का जन्मदिन भी मनाया था. पीएम मोदी ने जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर अपनी खुशी व्यक्त की और वेंस परिवार के साथ शानदार बातचीत का जिक्र किया था. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार के साथ शानदार मुलाकात हुई. हमने विभिन्न विषयों पर बहुत अच्छी बातचीत की. उनके बेटे विवेक के जन्मदिन के जश्न में शामिल होकर बहुत खुशी हुई! इसके बाद जेडी वेंस ने पीएम मोदी को आभार जताते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी उदार और दयालु हैं।

राम मंदिर परिसर की सुरक्षा होगी और पुख्ता, चार किलोमीटर लंबी दीवार और गिलहरी की मूर्ति होगी स्थापित

अयोध्या (एजेंसी)। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर की चार किलोमीटर लंबी परिधि में 14 से 16 फीट ऊंची दीवार बनाई जाएगी, जिसके ऊपर तीन फीट का स्टील वायर भी लगाया जाएगा। यह दीवार परिसर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगी, खासकर आतंकी धमकियों और हमलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इस दीवार के निर्माण से परिसर को जल, थल और नभ से सुरक्षित किया जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि यह दीवार सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होगी और इसके निर्माण में लगभग एक साल का समय लग सकता है। इसके अलावा राम जन्मभूमि परिसर में अंगद टीला के पास गिलहरी की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी। रामचरितमानस के अनुसार, त्रेतायुग में गिलहरी ने भी राम के काज में अपना योगदान दिया था। उसी भावना को सम्मानित करते हुए यह मूर्ति स्थापित की जाएगी। मंदिर निर्माण समिति ने इस परियोजना को लेकर ट्रस्ट की अगली बैठक में सहमति की योजना बनाई है। सुरक्षा और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में इन महत्वपूर्ण बदलावों के साथ, राम मंदिर परिसर अब और भी सुरक्षा-पूर्ण स्थल बनेगा।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात, मैदानी इलाकों में बारिश

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में बृहस्पतिवार को हिमपात हुआ, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला स्थित गुलमर्ग, बांदीपोरा के गुरेज और कुछ अन्य स्थानों पर रातभर हिमपात हुआ जो सुबह तक जारी रहा। उन्होंने बताया कि श्रीनगर सहित अधिकांश मैदानी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हुई। गुरेज में भारी हिमपात और हिमस्खलन के खतरे के कारण अधिकारियों ने 15 मार्च तक स्कूल बंद करने का आदेश दिया है। इस बीच मौसम विभाग ने रविवार सुबह तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात का अनुमान जताया है। विभाग ने कहा कि इसके बाद मौसम में सुधार होने की संभावना है।

तेलंगाना : हैदराबाद और साइबराबाद में होली पर नहीं लगा सकते जबरन रंग, पुलिस ने जारी किया आदेश

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। हैदराबाद पुलिस और साइबराबाद पुलिस ने होली के अवसर पर शहर और आसपास के क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी आदेश जारी किया है। साइबराबाद कमिश्नर अविनाश मोहंती और हैदराबाद कमिश्नर सीवी आनंद द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक होली के त्योहार के दौरान सार्वजनिक सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रंग या रंगीन पानी फेंकने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, अनिच्छुक व्यक्तियों पर रंग लगाने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस दौरान सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर समूहों में दोपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इसका उद्देश्य शांति- व्यवस्था को बनाए रखना है, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा, परेशानी या खतरे से बचा जा सके। यह आदेश हैदराबाद में 13 मार्च 2025 की शाम 6 बजे से 15 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा, जबकि साइबराबाद में यह पाबंदी 14 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे से 15 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे तक लागू होगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इन नियमों का पालन करें और होली का त्योहार सुरक्षित और शांति से मनाएं। पुलिस का कहना है कि इन पाबंदियों का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करना है, ताकि सभी लोग त्योहार का आनंद बिना किसी डर या परेशानी के ले सकें। होली के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता से बचने के लिए पुलिस सक्रिय रूप से निगरानी रखेगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश का पालन करें और एक खुशहाल और सुरक्षित होली मनाएं।

सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को दें

-सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को मिलेगा। मामले में कानूनी प्रतिनिधित्व की संकीर्ण व्याख्या नहीं हो सकती है। शीर्ष अदालत ने हाल के फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है, जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। एमएसीटी ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसकारण छोटी बहन को आश्रित नहीं मान सकते है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एमएसीटी के फैसले को बरकरार रखा था। जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को रद्द कर माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इंकार करके गलती की थी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है,बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी।

तुष्टिकरण की राजनीति करने में जुटी ममता, सोनाझुरी हाट में होली के आयोजन पर रोक

शुभेंदु अधिकारी का आरोप, लोगों को कहा जा रहा होली नहीं खेलें

कोलकात (एजेंसी)। होली खुलकर खुशियां मनाने का त्यौहार है, लेकिन ममता सरकार ने बीरभूम जिले में स्थित शांतिनिकेतन में कार्यक्रम के आयोजन पर रोक लगा दी है। बंगाल सरकार ने सोनाझुरी हाट में होली के आयोजन पर यह कहकर रोक लगा दी है कि इससे वन क्षेत्र के ग्रीन बेल्ट को नुकसान होगा। सोनाझुरी हाट विश्व भारती के शांतिनिकेतन कैंपस में स्थित है, इस यूनेस्को से हेरिटेज साइट का दर्जा प्राप्त है। बोलापुर डिविजन के वन अधिकारी राहुल कुमार का कहना है कि इलाके में कई बैनर लगे हैं। इसमें लोगों से अपील की गई है कि वे बड़ी संख्या में यहां न जुटें। यहां वाहनों की पार्किंग न करें और होली भी न खेलें। अधिकारियों का कहना है कि होली का आयोजन बड़े पैमाने पर होने से हरित क्षेत्र को नुकसान की संभावना है।

वन अधिकारी कुमार ने कहा, वन विभाग पुलिस और प्रशासन की मदद से लोगों की भीड़ को जुटने से रोकेगा। लेकिन हम चाहते हैं कि लोग खुद ही अनुशासन दिखाएं। यहां बड़ी संख्या में न जुटें और परिसर में होली न खेलें। सेंट्रल यूनिवर्सिटी विश्व भारती के प्रवक्ता ने कहा कि होली के मौके पर लाखों लोगों के लिए कैंपस एरिया को खोला नहीं जा सकता। हमें ध्यान देना होगा कि इस जगह को यूनेस्को हेरिटेज साइट का दर्जा मिला है। वन अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि सोनाझुरी के जंगलों को कोई नुकसान न पहुंचे।

हालांकि विवाद की स्थिति भी बन गई है। ऐसा पहली बार है, जब वन विभाग ने सोनाझुरी हाट में होली सेलिब्रेशन पर रोक लगा दी है। यह इलाका सोनाझुरी जंगल के तहत आता है। यहां हर साल ही लोग बड़ी संख्या में होली के मौके पर जुटते रहे हैं। वहीं ममता सरकार के फैसले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि यह किसी एक जगह पर नहीं हो रहा है। कई स्थानों पर बंगाल में यही स्थिति है। होली पर दूसरे समुदाय के लोगों को साथ लेकर मीटिंग की जा रही हैं। हर पुलिस थाने में बैठकें हो रही हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, थाने में बैठकें हो रही हैं। यहां लोगों को बुलाकर कहा जा रहा है कि इस बार होली शुक्रवार को पड़ रही और रमजान का महीना है। इसलिए इस बार आप होली पर रंगों का इस्तेमाल न करें। बीरभूम के अडिशनल एसपी का कहना है कि शांतिनिकेतन में सुबह 10 बजे तक ही होली का सेलिब्रेशन कर लिया जाए क्योंकि जुमा भी है। ऐसा बंगाल में पहली बार हो रहा है। ममता बनर्जी का पुलिस प्रशासन राज्य में विभाजन कराने में जुटा है। तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसा किया जा रहा है।

सदीय समिति का केंद्र को सुझाव, आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान को भी बीमा योजना में शामिल करे

नई दिल्ली । देश में संसदीय समिति ने मोदी सरकार को किसानों की भलाई के लिए एक अहम सुझाव दिया है। संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) में आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान को भी शामिल करने का सुझाव दिया है। साथ ही फसल अवशिष्टों को जलाने पर रोक लगाने के लिए धान किसानों को 100 रुपये प्रति क्विंटल की वित्तीय सहायता देने की भी सिफारिश की गई है। संसदीय समिति ने मोदी सरकार को सुझाव दिया हैं कि दो हेक्टेयर तक की खेती वाले छोटे किसानों को मुफ्त अनिवार्य फसल बीमा देने की भी सिफारिश की है। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर गठित संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पीएमएफबीवाई का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, कीटों के हमलों और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फसल के नुकसान की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। रिपोर्ट में समिति ने सुझाव दिया है कि आवारा पशुओं द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान को पीएमएफबीवाई के तहत शामिल करने पर विचार हो, ताकि जिन किसानों की फसलें आवारा पशु नष्ट कर देते हैं, वे भी पीएमएफबीवाई के तहत मुआवजा पाने के हकदार हों। संसदीय समिति ने मोदी सरकार से राज्य सरकारों से निधि जारी करने में देरी और नुकसान के लिए अपर्याप्त मुआवजा जैसे मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए कहा, ताकि योजना की प्रभावशीलता में सुधार हो सके।

2021 से अब तक तीन करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक असम आए: सीएम सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि पिछले चार साल में असम में पर्यटन में बेहतरीन वृद्धि हुई है और पिछले चार साल में तीन करोड़ से ज़्यादा घरेलू पर्यटक असम आए हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में असम की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और बेहतर बुनियादी ढांचे ने पर्यटकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, 'असम एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बन गया है, जो पूरे देश से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।÷ सरमा ने कहा कि घरेलू पर्यटकों के अलावा 2021 से अब तक 60,000 से ज़्यादा विदेशी पर्यटकों ने असम का दौरा किया है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की बढ़ती आमद पर्यटन क्षेत्र में राज्य की वैश्विक मौजूदगी को और भी ज़्यादा दिखाती है।

मुख्यमंत्री ने इस वृद्धि के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने, सांस्कृतिक स्थलों को संरक्षित करने और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सरकारी पहलों को श्रेय दिया। अपने हरे-भरे परिदृश्यों, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जैसे वन्यजीव अभ्यारण्यों और जीवंत त्योहारों के साथ असम लगातार देश में शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना रहा है। सरमा ने पहले कहा था कि पिछले साल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है।

पीएम मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक रात बिताई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले मार्च के महीने में वहां का दौरा किया था। उन्होंने पार्क में हाथी और जीप सफारी का आनंद लिया। उन्होंने वन कर्मचारियों से भी बातचीत की और उन्हें पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हाल के दिनों में, असम में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है, खासकर काजीरंगा में, जब प्रधानमंत्री मोदी विश्व धरोहर स्थल पर रात भर रुके थे।' असम सरकार ने हाल ही में काजीरंगा में एक लक्जरी होटल स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सरमा ने दावा किया कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए यह पहल की गई है।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का निरीक्षण करने पहुंची सीएम नीतिश

अधिकारियों से कहा, अब किसी भी तरह की देरी न हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों का सीएम नीतिश ने जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। जय प्रकाश इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के निर्माण पर कुल लागत 1400 करोड़ रुपए आएगी। नए टर्मिनल के तैयार होने के बाद पटना से इंटरनेशनल फ्लाइट भी शुरू होगी।

सीएम नीतीश ने कहा कि अगले एक महीने के अंदर सभी कामों को पूरा कर लिया जाए। ताकि यात्रियों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। पटना एयरपोर्ट का विस्तार लंबे समय से आवश्यक था। यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही थी। नए टर्मिनल के बनने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और भीड़भाड़ की समस्या कम होगी। नई इमारत में सभी आधुनिक सुविधाओं को जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया टर्मिनल पहले की तुलना में अधिक बड़ा और सुविधाजनक होगा। चेक इन काउंटर की संख्या बढेगी। यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया को आरामदायक बनाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

यहां कैफेटेरिया, आधुनिक लाउंज, और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की गई है। लंबे समय से यहां काम चल रहा है। अब निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से समय सीमा के अंदर काम करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अब किसी भी तरह की देरी न हो। यह एयरपोर्ट बिहार के लोगों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। जिससे राज्य की कनेक्टिविटी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जाएगी।

सीएम योगी ने लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए

वाराणसी। वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकलने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने होली पर डीजे की तेज आवाज पर भी सख्त दिखाने की बात कही हैं। बता दें कि योगी सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों से अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाने की मुहिम जारी है। अप्रैल 2022 से यूपी में व्यापक अभियान चलाकर लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, वाराणसी, गोरखपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में यह कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने वाराणसी में बैठक के दौरान होली जैसे त्यौहारों पर डीजे के तेज शोर पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में ध्वनि स्तर को तय मानकों के अनुरूप रखा जाए, ताकि किसी को असुविधा न हो और कानून व्यवस्था बनी रहे। मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान होली और होलिका दहन को लेकर विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अलग पहाड़ी राज्य की मांग पर अड़े कुकी, शांति वार्ता में आ रही अड़चनें

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में चल रही शांति वार्ता में एक बार फिर रुकावट आ गई है। कुकी समुदाय ने अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि जब तक उनकी अलग पहाड़ी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वे किसी भी समझौते को नहीं मानेंगे। यह मांग केंद्र सरकार के लिए चुनौती बन गई है। पिछले कुछ दिनों में स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब केंद्र ने 8 मार्च से राज्य में स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने का आदेश दिया था। इसके बाद कुकी समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया था। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और कई घायल हो गए थे। कुकी नेताओं का कहना है कि मेइती समुदाय के साथ सह-अस्तित्व अब संभव नहीं है और उनकी मांग पूरी होने तक वे सड़कों पर प्रदर्शन करते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शन के दौरान कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में 8 मार्च को मारे गए युवक का शव उसके परिवार को सौंप दिया है। प्रशासन का कहना है कि इससे जिले में जारी विरोध और सड़क अवरोध खत्म हो सकता है। हालांकि राज्य में स्थायी शांति की राह अभी दिखाई नहीं दे रही है। कूकी-जो समुदाय और केंद्र सरकार के वार्ताकार के बीच जारी बातचीत से ज्यादा उम्मीद नहीं है, क्योंकि कूकी-जो समुदाय अब भी अलग पहाड़ी राज्य की मांग पर अड़ा है। यह मांग संविधान के ढांचे के खिलाफ है, जिससे केंद्र सरकार इसे स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है। अलग प्रशासनिक व्यवस्था पर सरकार की अनिच्छा सरकार कूकी-बहुल पहाड़ी इलाकों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग पर भी सहमति नहीं है, क्योंकि इससे अलग राज्य की मांग को और बल मिल जाएगा। इसके अलावा यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस सीमावर्ती राज्य में अलगाववादी प्रवृत्तियों को भी प्रोत्साहित कर सकता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार मेइती और कूकी से संवाद जारी रखने के पक्ष में है। सरकार कूकी-जो समुदाय को संविधान के दायरे में ही किसी समाधान पर सहमत करने की कोशिश कर रही है, जिसमें उन्हें अधिक स्वायत्तता देना और उनकी विशिष्ट संस्कृति, विरासत और भाषा को संरक्षित करना शामिल हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक कांगपोकपी के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक पिछले कुछ दिनों से कूकी-जो प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे थे, ताकि वे मारे गए युवक का शव स्वीकार कर अंतिम संस्कार कर सकें। 8 मार्च को हुए संघर्ष में युवक की मौत के बाद कूकी-जो प्रदर्शनकारियों ने बंद का ऐलान किया था और सड़कों को जाम कर दिया था। मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद लूटे गए कुल 4,500 हथियार अब वापस आ गए हैं। इनमें से करीब 1,050 हथियार विद्रोहियों ने राज्यपाल के आह्वान पर आत्मसमर्पण किए, जबकि बाकी हथियार पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियानों के दौरान जब्त किए गए। अब जब हथियारों को स्वेच्छा से सौंपने की राज्यपाल की समय सीमा समाप्त हो चुकी है, तो पुलिस और सुरक्षा बल इन हथियारों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान जारी रखेंगे।

चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से होगी शुरु, आधार नंबर किया अनिवार्य

-रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पहले की तरह ही सामान्य रहेगी। यात्रियों को रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं। केदारनाथ-बदरीनाथ समेत चारों धामों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से 20 मार्च के बीच शुरू होगी। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के लिए आधार नंबर अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन को आधार से लिंक किया जाएगा। इससे यात्री की पहचान और संख्या की सही जानकारी मिल सकेगी।

मालूम हो कि पिछले कुछ समय से चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन को लेकर भ्रम की स्थिति थी। माना जा रहा था कि रजिस्ट्रेशन तभी होगा जब यात्री की चारधाम मार्ग पर रहने की पुख्ता व्यवस्था होगी। यात्रियों के लिए होटल की बुकिंग का ब्योरा भी रजिस्ट्रेशन में दर्ज करने की बात सामने आई थी। पर्यटन सचिव ने कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में इस प्रकार की कोई बाध्यता नहीं रखी गई है। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल जल्द शुरू किया जाएगा। उत्तराखंड में चार प्रमुख मंदिर और पर्यटन स्थलों में नए रोपवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। उत्तरकाशी में रैथल बारसू, वरुणावत पर्वत, रुद्रप्रयाग में कार्तिकेय स्वामी मंदिर और टिहरी में कुंजापुरी मंदिर रोपवे प्रोजेक्ट की उपयुक्तता जांच में विशेषज्ञों ने हरी झंडी दे दी है।

पर्यटन सचिव ने इसकी पुष्टि की कि इन चारों प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा था। फिजीबिलिटी रिपोर्ट के सकारात्मक आने से इन प्रोजेक्ट पर आगे की कार्यवाही का रास्ता खुल गया है। इसके साथ ही केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट के निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही उन्हें फाइनल कर दिया जाएगा। दून से मसूरी तक रोपवे प्रोजेक्ट सितंबर 2026 से पर्यटकों के लिए शुरू हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 26 टॉवर बनाए जाने हैं। यमुनोत्री रोपवे प्रोजेक्ट में बनने वाले नौ टॉवर में 5 टॉवर को दिसंबर अंत तक तैयार करने का लक्ष्य है। पूर्णगिरी मंदिर के रोपपे की जांच भी जारी है। नैनीताल रोपवे प्रोजेक्ट के लिए लैंड ट्रांसफर की एनओसी मिल गई है।

सरकार ने किए पासपोर्ट में कई बदलाव, माता-पिता के नाम की अनिवार्यता खत्म

-व्यक्ति की पहचान को आसान बनाने रंग-कोडिंग सिस्टम किया लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पासपोर्ट आवेदन की प्रक्रिया में बड़े बदलाव हुए हैं, जिससे दस्तावेजी प्रक्रिया ज्यादा सख्त और सुरक्षित हो गई है। नए नियमों के तहत जन्म प्रमाण पत्र की अनिवार्यता, डिजिटल एड्रेस एम्बेडिंग और पासपोर्ट के रंग-कोडिंग जैसी नई शर्तें लगाई गई हैं। इसके अलावा माता-पिता के नाम की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है, जिससे कई आवेदक राहत महसूस करेंगे।

नए नियमों के मुताबिक 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले सभी नागरिकों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया है। यह प्रमाण पत्र नगर निगम, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार या जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के तहत मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा जारी होना चाहिए। हालांकि 1 अक्टूबर 2023 से पहले जन्मे लोगों के लिए अन्य दस्तावेज विकल्प के रूप में मान्य होंगे, जिनमें सरकारी सेवा रिकॉर्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र और मैट्रिक सर्टिफिकेट शामिल हैं।

पासपोर्ट में अब आवेदकों का स्थायी पता पासपोर्ट के आखिरी पेज पर नहीं छापा जाएगा। इसके बजाय यह जानकारी डिजिटल रूप से एक बारकोड में एम्बेड होगी, जिसे जरूरत पड़ने पर इमिग्रेशन अधिकारी स्कैन कर सकेंगे। यह बदलाव सुरक्षा और निजता को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना कम हो जाएगी। सरकार ने पासपोर्ट की पहचान को आसान बनाने के लिए रंग-कोडिंग लागू की गई है। नए नियमों के तहत, सफेद रंग का पासपोर्ट सरकारी अधिकारियों को, लाल रंग का राजनयिकों के लिए, जबकि आम नागरिकों के लिए नीले रंग का पासपोर्ट जारी किया जाएगा।

इसके अलावा माता-पिता के नाम की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है। पहले पासपोर्ट के आखिरी पेज पर माता-पिता का नाम छापा जाता था, लेकिन अब यह अनिवार्य नहीं होगा। यह बदलाव विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा जो सिंगल पैरेंट परिवारों से आते हैं या जिनके माता-पिता अलग हो चुके हैं। सरकार पासपोर्ट सेवा केंद्रों की संख्या बढ़ाने जा रही है। मौजूदा 442 सेवा केंद्रों की संख्या अगले पांच सालों में बढ़ाकर 600 कर दी जाएगी। इसके लिए विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच हुए समझौते को भी आगे बढ़ाया गया है, जिससे पासपोर्ट सेवाएं ज्यादा तेज और सुगम हो सकेंगी।

उम्रदराज लोगों को होता है ऑस्टियोपोरोसिस

अक्सर उम्रदराज लोगों को आपने जोड़ों के दर्द की शिकायत करते सुना होगा, हड्डियों में तकलीफ की समस्या भी आम होती है। वृद्धों की इस आम समस्या को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। इस बीमारी के रोगियों में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) प्राप्त महिलाओं और उम्रदराज लोगों की संख्या ही ज्यादा होती है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग दस करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। केवल भारत में इसके रोगियों की संख्या लगभग छह करोड़ दस लाख है, जिसमें 60-70 प्रतिशत महिलाएं हैं। पुरुषों को इस रोग का खतरा चालीस वर्ष की उम्र से तो महिलाओं को लगभग पैंतीस वर्ष की उम्र से होता है।

इस बीमारी में हड्डियां भुरभरी हो जाती हैं। साथ ही हड्डियों के ऊतकों का घनत्व कम हो जाता है, इस कारण किसी भी झटके से उनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्र का बढ़ना और कैल्शियम की कमी ऑस्टियोपोरोसिस को आमंत्रित करने वाले मुख्य कारण हैं। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं और उनके टूटने की दर बढ़ जाती है। रजोनिवृति के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हारमोन की कमी के कारण इस रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

नीचे झुकने या सामान्य अवस्था में कमर दर्द होना और झुकने से कद कम होना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीमारी से अक्सर रीढ़ की हड्डी में भी विकृति आ जाती है, अतः रीढ़ की हड्डी में थोड़े से भी परिवर्तन को हल्के तौर पर ना लें। रोजमर्रा के काम जैसे कुछ चीज उठाने के लिए नीचे झुकने, बिस्तर बिछाने के लिए नीचे झुकने या किसी हल्के झटके जैसे बस या आटो रिक्शा की पिछली सीट पर लगे झटके से हड्डियों में बार-बार होने वाला फ्रैक्चर भी ऑस्टियोपोरोसिस की निशानी है।

यों तो सम्पूर्ण शरीर की हड्डियां इससे प्रभावित होती हैं। परन्तु सामान्य रूप से कूल्हे, कलाई और रीढ़ की हड्डियां ही इस रोग की मुख्य शिकार होती हैं। इसके परिणाम इस कदर भयंकर हो सकते हैं कि रीढ़ की हड्डी टूटने से कंधे झुक सकते हैं और कद छह इंच तक कम हो सकता है। कूल्हे का फ्रैक्चर होने की स्थित मिं अक्सर शल्य चिकित्सा के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। ऐसे रोगियों के अध्ययनों से यह निष्कर्ष सामने आया है कि कूल्हे के फ्रैक्चर वाले लगभग पचास प्रतिशत रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाते, वे सदा के लिए ही बिस्तर से बंध जाते हैं।

इस बीमारी का पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है विशेषकर महिलाओं में आसानी से इसका पता लग सकता है। वैसे तो बोन डेनसिटोमीटर से कुछ ही पलों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है, पर एक साधारण से रिस्ट टेस्ट के द्वारा इस रोग का घर बैठे ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ साधारण प्रश्न आप खुद से पूछ सकती हैं, जिससे पता चला सकता है कि आपको यह बीमारी होने की आशंका है कि नहीं।

- क्या आप एक रजोनिवृत्त महिला हैं और क्या आपको पैंतालीस वर्ष की आयु से पहले ही रजोनिवृत्ति हो गई थी?
- क्या आप शारीरिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं?
- क्या आप अपने आहार में कैल्शियमयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दूध से बनी चीजें कम लेती हैं?
- क्या आपकी या परिवार के किसी नजदीकी सदस्य की हड्डी किसी हल्के से झटके से टूटी है?
- क्या आप दमा या आर्थराइटिस के लिए कोर्टिकोस्टिरॉटड दवा छह महीने से ले रही हैं?

ऊपर लिखे प्रश्नों में से यदि एक प्रश्न का भी उत्तर हां है तो आपको ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो सकती है, ऐसे में तुरंत डॉक्टरी सलाह लेना उचित रहेगा।

ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड बोन डेन्सिटोमीटर टेस्ट का सहारा लेते हैं। इससे अस्थियों में नुकसान की दर, फ्रैक्चर होने की संभावनाओं, इलाज के प्रभावों आदि की जानकारी मिल जाती है। इसमें एल्कोहल में भीगी रूई से टखनों के किनारों को साफ करके पैर को एक रेडिएशन फ्री मशीन के भीतर रखना होता है। मशीन में पैर फिट होने के बाद रीडिंग ली जाती है और दो मिनट में ही परीक्षण की रिपोर्ट सामने आ जाती है। जांच से पहले सामान्य खाना ही खाएं, इस बात का ध्यान रखें कि इस परीक्षण के चौबीस घंटे पहले कैल्शियम की खुराक न लें। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परीक्षण से सात दिन पहले तक कोई बेरियम-स्टडी रेडियो आइसोटोप इंजेक्शन अथवा सीटी अथवा एम.आर.आई परीक्षण के लिए ओरल या आई.वी कान्ट्रास्ट न लिया गया हो।

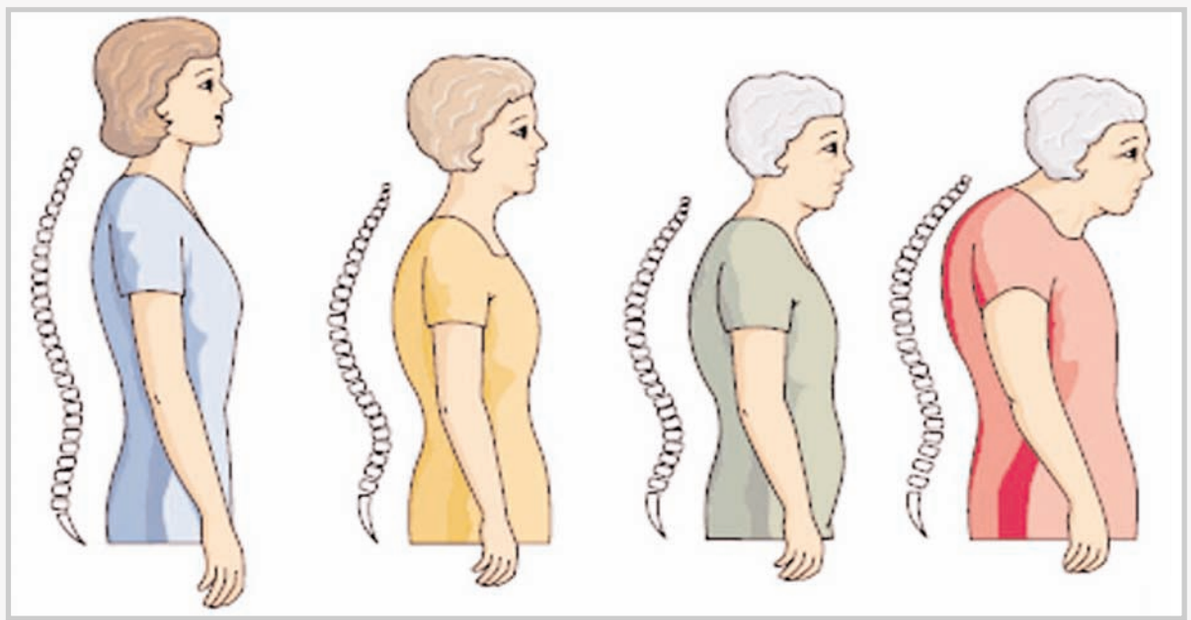

कुछ आसान से छोटे-छोटे व्यायाम भी आपको इस बीमारी से बचा सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- फर्श पर लेट जाएं। दोनों हाथों को पेट पर रखकर घुटनों को 90 डिग्री के कोण में मोड़ें। अब कंधों को जमीन से सटाकर रखें और सिर को ऊंचा उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे ले जाएं। इसे दस-पन्द्रह बार दोहराना चाहिए।
- पेट के नीचे तकिया रखकर फर्श पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथ नितम्बों पर रखें। अब सिर को फर्श तक झुकाएं और फिर जितना उठा सकें उठाएं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति दस से पन्द्रह बार करें।
- कुर्सी पर कुछ इस प्रकार बैठें कि आपकी पीठ कुर्सी से सटी हो। सिर के पीछे दोनों हाथों को क्रास करें। कोहनियों की पीछे की ओर खींचते हुए लंबी सांस लें और सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। ऐसा दस-पन्द्रह बार करें।
- हाथों और घुटनों के बल झुकें। एक घुटने को कमर की ऊंचाई तक ले जाएं फिर वापस पूर्व स्थिति में ले आंए। दूसरे पैर से यही व्यायाम करें। इस क्रिया को भी दस से पन्द्रह बार दोहराना उचित रहेगा।
- फर्श पर सीधे लेटें और दोनों हाथ पेट पर रखें। अब पैरों को फर्श से लगभग एक इंच ऊपर उठाएं इसमें ध्यान रखें कि घुटने आपस में जुड़े हों। इस स्थित मिं कुछ सेकेण्ड रुकने के बाद पैरों को नीचे ले आएं। ऐसे पांच से दस बार करें।
- कुर्सी पर पीठ लगाकर सीधे बैठें। बाहों को किनारे पर टिकाएं और पैरों को फर्श पर सीधे रखे। फिर अपने कंधों को पीछे की ओर धकेलने का प्रयास करे और फिर पहली वाली अवस्था में वापस आ जाएं। इसे भी दस या पन्द्रह बार दोहराएं।

एक अहम बात यह है कि इन व्यायामों को करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

जहां तक खान-पान का प्रश्न है, सदैव ऐसा संतुलित आहार जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम हो, इसके साथ ही फल जैसे नाशपाती, केला, अमरूद औरे अंजीर आदि भी लें। दालें, बादाम, अखरोट, टमाटर, मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, पत्तागोभी, मेथी, मछली और ऑयस्टर मांस की पर्याप्त मात्रा भी भोजन में शामिल की जानी चाहिए।

कैफीन और एल्कोहल से बचना फायदेमंद होता है। सिगरेट से बचना भी जरूरी है क्योंकि यह एक्ट्रोजन के स्तर को कम करती है और महिलाओं में रजोनिवृति के समय हड्डियों के घनत्व पर बुरा असर डालती है। कार्बोनेटिक पेय और सोड़ा आदि भी न लें क्योंकि इसमें उपस्थित फास्फोरस आपके शरीर में उपस्थित कैल्शियम की अतिरिक्त मात्रा में कमी कर सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है हर सांतवे से दसवें वर्ष में पुरानी हड्डियों का स्थान नई हड्डियां ले लेती हैं। बड़े होने पर मजबूत हड्डियां हों इसलिए बचपन से भी हड्डियों की मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है।

एक अनानास
करे कई बीमारियों का नाश

अनानास का नाम सुनते ही बच्चे हों या बड़े इसे खाने से कतराते हैं। देखने में खूबसूरत लगने वाला यह फल खाने में उतना ही खट्टा और एसिडिक होता है। मगर अनानास जूस से भरा बेहतरीन फल है। इसका ट्रापिकल फ्लेवर मीठे और खट्टे दोनों को सही बैलेंस करता है। गर्मी हो या सर्दी यह कभी भी खाया जा सकता है। मगर ज्यादातर लोग इसे गर्मी में खाना पसंद करते हैं। इसे नमक और चाट मसाले के साथ खाएं, तो यह स्वादिष्ट लगता है।

अनानास में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। जैसे विटामिन ए और सी। कैल्शियम, पोटाशियम और फास्फोरस भी इसमे मौजूद होता हैं। फाइबर से युक्त और फैट व कोलेस्ट्राल बहुत कम होने के कारण सेहत के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों के लिए एक बेहतरीन फल है।

कफ और कोल्ड के वायरस से लड़ने के लिए इसमें विटामिन सी की सही मात्रा होती है। इसमें ब्रोमेलेन नामक पदार्थ होता है जो खांसी रोकने में मददगार है।

इसमें पाया जाने वाला मैग्नीज हड्डियों और उत्तकों को मजबूत बनाएं रखने में मददगार होता है। अनानास के लगातार सेवन से आपके मसूढ़े स्वस्थ और मजबूत रहते हैं।

अनानास मैकुलर डिजेनेरेशन से भी बचाता है। मैकुलर डिजेनेरेशन के कारण ही विजन लॉस होता है और रेटिना डैमेज होता है। इससे व्यक्ति अंधा हो सकता है। मगर अनानास में मौजूद बीटा कैरोटीन इस खतरे को तीस प्रतिशत तक कम करने में मददगार होता है।

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए अनानास का सेवन सबसे फायदेमंद है। यह पाचन क्रिया को दुरूस्त बनाने में मदद करता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन इसके रस को न्यूट्रल करता है जिस कारण यह ज्यादा एसिडिक नहीं हो पाता।

यह पैनक्रियाज से बनाने वाले रस को भी नियंत्रित करता हैं जो पाचन क्रिया में आगे मददगार होते हैं। पैनक्रियाज में नियंत्रण के कारण हम डायबिटीज जैसी बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में च्यूइंग गम!
खतरनाक

प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम ज्यादा खाने से बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस बीमारी में उसकी बॉडी तो नॉर्मल होगी लेकिन उसके हाथ-पैर छोटे बच्चे की तरह ही छोटे रहते हैं। कई बार पेशंट के पैरों में इतनी भी जान नहीं होती कि वह अपने पैरों पर खड़ा रह सके। इस बीमारी को भुगत रहे इराक के 46 साल के हुसैन अली राधी को जब हार्ट की बीमारी हुई तो उनके देश के डॉक्टर उनका इलाज करने के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन दिल्ली के डॉक्टरों ने विश्व में पहली बार ऐसे पेशंट की एंजियोप्लास्टी करके तीन स्टेंट लगाने में कामयाबी हासिल की। इलाज के बाद हुसैन अब अपने देश जाने की तैयारी में हैं।

हाथ-पैर छोटे

मैक्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेका कुमार ने बताया कि हुसैन एक जनेटिक बीमारी के शिकार हैं, जिस वजह से उनके हाथ और पैर छोटे बच्चे की ही तरह हैं यानी हाथ और पैरों की ग्रोथ नहीं हो पाई है, जबकि बाकी पार्ट्स सामान्य इंसान की तरह हैं। इस बीमारी को सील सिड्रोम कहा जाता है। अमूमन हर 25 हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी होती है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे का कद छोटा हो जाता है, लेकिन कई बार हाथ पैर में इतनी भी जान नहीं होती वह कुछ उठा सके या चल सके। ऐसे लोग पूरी जिंदगी वील चेयर पर ही होते हैं। हुसैन भी इसी तरह अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

हार्ट में 3 ब्लॉकेज

डॉक्टर कुमार ने बताया कि हुसैन के हार्ट में तीन ब्लॉकेज पाए गए थे। वह इराक के कई अस्पताल गए लेकिन कोई भी डॉक्टर इलाज करने को तैयार नहीं हुआ क्योंकि हाथ-पैर छोटे होने की वजह से एंजियोप्लास्टी के लिए नस का साइज छोटा पड़ रहा था। आखिरकार वह दिल्ली पहुंचे। डॉक्टर ने बताया, पहले हमने बाइपास सर्जरी का प्लान किया था लेकिन उनके साइज को देखकर टाल दिया गया। पैर की नस से हार्ट तक पहुंचना भी मुश्किल था, इसलिए हाथ के जरिए उनके हार्ट में पहुंचा गया। यह मुश्किल प्रॉसिजर था, लेकिन सफल रहा।

बचें च्यूइंग गम से

डॉक्टर विवेका कुमार का कहना है कि जो महिलाएं गर्भ के दौरान च्यूइंग गम या पेन किलर ज्यादा खाती हैं, उनके बच्चे में ऐसी बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। डॉक्टर कुमार के मुताबिक, ऐसे पदार्थ में टेराटोजेनिक होता है, जो एंब्रियो को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही पदार्थ पेन किलर थैलीडोमाइड में भी पाया जाता है, जिसे अब बैन कर दिया गया है। इसकी वजह से जैनेटिक डिसऑर्डर होता है और बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य पर 'हार्ड' होते 'सॉफ्ट' ड्रिंक्स के खतरे

सॉफ्ट ड्रिंक्स की आदत बच्चों से लेकर बूढ़ों तक को है। मौसम चाहे जो हो, इनके दीवाने इन्हें पीकर ही अपनी तलब मिटाते हैं। इससे क्षणिक तौर पर भले ही उन्हें अच्छा महसूस होता हो, पर दीर्घकालिक दृष्टि से ये सेहत के दुश्मन साबित होते हैं। एक दैनिक में छपी रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते ही तत्काल उसका प्रभाव शुरू हो जाता है। 20 मिनट में ही ब्लड शूगर का स्तर बहुत हाई हो जाता है। 40 मिनट बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन शरीर में समा जाती है जो ब्लड प्रैशर को बढ़ा देती है।

इसके कुछ ही समय बाद शरीर में डोपमाइन नामक कैमिकल बनता है जो एक तरह का नशा पैदा करता है। धीरे-धीरे सॉफ्ट ड्रिंक्स एडिक्शन हो जाती है। इसके 15 मिनट बाद शरीर के लिए महत्वपूर्ण कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। डीहाइड्रेशन की वजह से थकान महसूस होने लगती है। यदि कोई व्यक्ति 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक्स की बोतल का सेवन करता है तो उसमें इतनी अधिक शक्कर होती है जो एक वयस्क आदमी की दिन भर की जरूरत से अधिक होती है।

फोर्टिस हॉस्पिटल की डा. नीलू तलवार के अनुसार सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैरेमल शरीर को इंसुलिन विरोधी बना देता है।

इम्पीरियल कालेज लंदन की शोध के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स की हर 350 मिलीलीटर की बोतल के सेवन के साथ टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है।

अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन की शोध के अनुसार दुनिया में हर साल 1 लाख 80 हजार लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स की वजह से मरते हैं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मेलमैन स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ ने अपने अध्ययन में पाया कि शीतल पेयों में पाया जाने वाला सोडा बच्चों में आक्रामकता, विरक्ति और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याएं पैदा करता है। नियमित रूप से शीतल पेय पीने वाले बच्चे ज्यादा लड़ाई-झगड़ा करते हैं और जल्दी असंयमित हो जाते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक्स में पोषक तत्वों का नितांत अभाव रहता है। इसमें विटामिन तथा खनिज लवण आदि नहीं होते।

सॉफ्ट ड्रिंक्स की अम्लीयता अधिक होती है जो हमारे दांतों और हड्डियों को गलाने में सक्षम है। हड्डियां गलने लगती हैं और इनका कैल्शियम धमनियों, शिराओं या अंगों में जमा होने लगता है। गुर्दे में जमा होकर यह पथरी का कारण बनता है। आम तौर पर लोग भोजन करने के बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। पेट में उपस्थित पाचक एंजाइमों की कार्यक्षमता 37 डिग्री सैल्सियस तापमान पर सर्वाधिक होती है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक्स का तापमान इससे बहुत कम, जीरो डिग्री तक होता है। इस वजह से पाचक रस काम नहीं कर पाते और भोजन अपचा रह जाता है।

ऐसी स्थिति में उसका फर्मेंटेशन शुरू हो जाता है जिससे गैसें एवं विषैले पदार्थ बनने लगते हैं। आतें इन्हें सोखकर रक्त में पहुंचा देती हैं और रक्त के साथ शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंचकर ये कई प्रकार के रोग पैदा करते हैं। कार्बनडाइआक्साइड शरीर को काफी नुक्सान पहुंचाती है। कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक छात्र एक प्रतियोगिता में सॉफ्ट ड्रिंक्स की आठ बोतलें एक साथ पी गया था जिससे उसकी मृत्यु हो गई। डाक्टरों ने मृत्यु का कारण उसके रक्त में कार्बनडाइआक्साइड की अत्यधिक मात्रा होना बताया था।

कुछ लोगों को कैमिकल, रंग और सुगंध आदि से एलर्जी होती है। ऐसे में सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद रसायन, रंग सुगंध उनके लिए जानलेवा हो सकती है। इसी प्रकार सॉफ्ट ड्रिंक्स को लम्बे समय तक टिकाऊ या सुरक्षित बनाए रखने के लिए उसमें प्रिजर्वेटिव मिलाए जाते हैं जो निरापद नहीं होते।

कुछ लोग नकली सॉफ्ट ड्रिंक्स बनाने और बेचने का धंधा करते हैं। वे प्रसिद्ध कम्पनियों की खाली बोतलों में नकली या घटिया माल भरकर उपभोक्ता की सेहत और जेब दोनों पर डाका डाल रहे हैं।

गर्मियों में ये 5 तरीके फैट कम करेंगे

फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि हमेशा जबरदस्त ट्रेनिंग और कार्डियो की ही जरूरत हो। रेग्युलर आउटडोर ऐक्टिविटीज भी एक्स्ट्रा कैलरी कम कर सकती हैं। गर्मियों में आप कुछ ऐसी मजेदार ऐक्टिविटीज अपना सकते हैं जिनके जरिए कैलरी कम की जा सके। जानिए ऐसी पांच गतिविधियां-

स्विमिंग- स्विमिंग पूल में हल्का फुल्का स्विम करना भी आपके स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। अगर आप ठीक-ठाक समय तक स्विमिंग करते हैं तो कैलरी बर्न होती ही है लेकिन यदि हल्की-फुल्की करें तो भी एक हद तक कैलरी बर्न की जा सकती हैं। बस ये ध्यान रखें कि स्लो पेज पर स्विम करें।

साइकलिंग- साइकलिंग के नाम से बचपन याद आ जाता है। कितना अच्छा हो यदि आप इन गर्मियों में अपने बचपन को याद करते हुए थोड़ी बहुत साइकलिंग भी कर लें। इससे एक पंथ दो काज हो जाएंगे.. बचपन की मौज की याद ताजा और अच्छी एक्सरसाइज भी।

वाटर स्पोर्ट्स- गर्मियों में पानी में डुबकी लगाने वाले गेम्स न सिर्फ मजा देते हैं बल्कि आपको कैलरी बर्न करने मे भी मदद करते हैं। वाटर स्कीइंग, वाटर राफ्टिंग जैसे स्पोर्ट्स के जरिए एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करिए।

बैडमिंटन- क्या आपको पता है कि आउटडोर जैसे बैडमिंटन जैसे गेम्स आपको 10 मिनट में 50 कैलरीज से निजात दिला सकते हैं। यह खेल मजेदार तो है ही और इसके लिए आपको कुछ खास तैयारी भी नहीं करनी है। केवल दो रैकेट्स और शटलकॉक्स.. और आप हो गए तैयार।

गार्डनिंग- क्या आप गार्डिनिंग का शौक रखते हैं? गर्मी के इस मौसम में अपने गार्डन में कुछ वक्त बिताइए या गार्डन बनाइए। नए प्लांट्स लगाना, उनकी देखभाल करना और मिट्टी आदि से संबंधित जो काम आप करेंगे वह न सिर्फ आपकी कैलरी बर्न करेगा, आपको फ्रेश सब्जियां-फल भी कुछ समय बाद मिलने लगेंगे।

दो पार्ट में रिलीज होगी नानी की द पैराडाइज?

साउथ अभिनेता नानी इन दिनों अपनी फिल्म द पैराडाइज को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म नानी की अब तक की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म होगी। फिल्म को लेकर अब एक ताजा जानकारी सामने आई है कि द पैराडाइज दो भागों में रिलीज की जाएगी, जिसे सुनने के बाद नानी के प्रशंसक द पैराडाइज को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं। द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली झलक ने ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म के पोस्ट में नानी का लुक अभी तक की उनकी सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आया। यही वजह है कि नानी के प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता को एक अलग रूप में देख सकें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नानी ने अपनी फिल्म द पैराडाइज को मैड मैक्स का भारतीय रूप बताया। वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, कई बड़े बजट फिल्मों की तरह द पैराडाइज को भी दो भागों में बनाया जाएगा। पहला पार्ट 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगा, जबकि इसका दूसरा भाग ज्यादा समय ले सकता है। एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द पैराडाइज का निर्माण कर रहे हैं। माना जा रहा है कि नानी की इस फिल्म का बजट बहुत बड़ा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। द पैराडाइज में नानी के अलावा अभी तक बाकी कलाकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म द पैराडाइज का अंदाज जंगली और बेबाक है। श्रीकांत ओडेला ने फिल्म की कहानी 1960 के दशक के एक काल्पनिक शख्स के इर्द-गिर्द लिखी है, जो गरीब और शोषित लोगों के लिए उम्मीद बनकर आया था। फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। इसे स्पेनिश जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, ताकि दुनियाभर के लोग इसे देख सकें।

शनाया कपूर ने आंखों की गुस्ताखियां से शुरू किया एक्टिंग करियर

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। काफी दिनों से उनकी फिल्म की शूटिंग टल रही थी। कई बार फिल्म की शूटिंग टलने के बाद आखिरकार शनाया एक अभिनेत्री के बतौर काम करने जा रही हैं। शुक्रवार को शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह आंखों की गुस्ताखियां सेट पर नजर आ रही हैं।

शनाया की फिल्म की शुरू हुई शूटिंग

शनाया ने जो पोस्ट शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि शनाया ने फिल्म का एक क्लिपबोर्ड ले रखा है। वह मुस्कुरा रही हैं और क्लिपबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इस पर फिल्म का नाम आंखों की गुस्ताखियां लिखा हुआ है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है आभार।

शनाया की मां ने किया कमेंट

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने लाल दिल और नजर से बचने का इमोजी कमेंट किया है। वहीं भावना पांडे ने लिखा है मुबारक हो मेरी बच्ची। नव्या नंदा, खुशी कपूर और अंजनी धवन ने इस पोस्ट पर कमेंट बॉक्स में लाल इमोजी कमेंट किया है।

वृषभ में भी नजर आने वाली हैं शनाया

शनाया कपूर ने गुंजन सकसेना की फिल्म द कर्गिल गर्ल फिल्म में एसिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम किया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर अहम रोल में हैं। शनाया वृषभ में भी एक्टिंग करने वाली हैं। इस फिल्म में मोहन लाल भी अहम रोल में होंगे. ये फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म में सलमा आगा की बेटी जहरा एस खान और रोशन मेका भी नजर आएंगी।

पहले ही डेब्यू करने वाली थीं शनाया

शनाया पहले करण जौहर की फिल्म बेधड़क से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत करने वाली थीं। इसमें वह निमरित का किरदार अदा करने वाली थीं। लेकिन इस फिल्म के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है।

तीन कहानियों पर काम कर रहे निर्देशक कबीर खान

बताया कब करेंगे अपनी नई फिल्म की घोषणा

मैं अभी फिलहाल तीन अलग-अलग कहानियों पर काम कर रहा हूं। कहानियां अभी लिखी जा रही हैं। हालांकि, इनमें अभी कलाकारों का चयन नहीं हुआ है। कई कलाकारों से बात जरूर हुई है, लेकिन अभी तक कोई तय नहीं हुआ है। ये कहना है 'बजरंगी भाईजान' और 'एक था टाइगर' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले निर्देशक कबीर खान का।

अपने हालिया इंटरव्यू में कबीर खान ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स से लेकर सलमान खान, ऋतिक रोशन और विक्की कौशल के साथ उनके काम करने को लेकर चल रही अफवाहों पर भी बात की। निर्देशक ने कहा, हमारे पास बहुत सारे विचार हैं, लेकिन कभी-कभी यह जरूरी नहीं है कि यह आपकी अगली फिल्म हो। यह संभव है कि मैं कोई आइडिया रखूं और विक्की, सलमान या ऋतिक से बात करूं और वे कुछ और विचार रखें। इसलिए, बहुत सारी बातचीत हो रही है।

अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें फैल रही थीं कि कबीर खान ऋतिक रोशन के साथ एक थ्रिलर, विक्की कौशल के साथ एक ऐतिहासिक ड्रामा और सलमान खान के साथ एक कमर्शियल एंटरटेनमेंट फिल्म पर काम करेंगे। हालांकि, अब निर्देशक का ये कहना है कि अभी ऐसा कुछ भी नहीं है। अभी वो सिर्फ कहानियों पर काम कर रहे हैं, लेकिन स्टार कास्ट फाइनल नहीं है।

तीन महीने तक किसी फिल्म की घोषणा नहीं करेंगे कबीर

'83' के निर्देशक ने साफ किया कि उन्हें अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने में कम से कम तीन महीनों का वक्त लगेगा। निर्देशक ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें कि क्या निकट भविष्य के लिए कुछ तय किया गया है, तो नहीं। अभी मैं 'माई मेलबर्न' की रिलीज का इंतजार कर रहा हूं, जो 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली एक एंथोलॉजी है।

रेयर बीमारी से हैं पीड़ित बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल

बॉस ओटीटी 3 की विनर रहीं सना मकबूल इन दिनों कुछ गंभार बीमारी से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया है कि उन्हें लीवर की बीमारी और साउथ की स्टार एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु जैसी ही इम्युनिटी डिसऑर्डर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने भारती सिंह के पॉडकास्ट पर अपनी बीमारी को लेकर बातें की और बताया कि कैसे वो साल 2020 से इसके लिए दवा ले रही हैं।

उन्होंने बताया कि वो लंबे समय से लीवर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने इस बातचीत में कहा, हेल्थ की वजह से मैंने हाल ही में मैं वेजिटेरियन बनी। बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस की मरीज़ हूं और मुझे लीवर की बीमारी है। इस बीमारी का पता 2020 में लगा था। इसके कोई खास लक्षण नहीं हैं। इसमें, मेरे शरीर के ही बॉडी सेल्स शरीर के अंगों पर हमला करते हैं। मेरे मामले में, यह कभी-कभी ल्यूपस होता है, यह आपकी किडनी पर असर डालता है या ऑर्थराइटिस की समस्या हो सकती है। सामंथा रूथ प्रभु को मायोसिटिस है, जो एक मसल्स संबंधी बीमारी है। मुझे यह लीवर से जुड़ी बीमारी है। अपनी इस बीमारी से वो कैसे लड़ रही हैं, सना ने इस बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा, मैं स्टेरॉयड, सप्रेसेंट या कुछ दवाइयां लेती हूं। यह एक लाइफस्टाइल प्रॉब्लम है, लेकिन ये ऑटोइम्यून के साथ, लीवर की स्थिति एक मुश्किल चीज है। मेरे स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव लगा रहता है, मुझे नहीं पता कि इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है या नहीं।

करणवीर मेहरा के साथ म्यूजिक वीडियो में दिखीं

बिग बॉस के बाद सना ने कई म्यूज़िक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं, उनमें से एक बिग बॉस 18 के विनर करणवीर मेहरा के साथ भी था। हाल ही में वह अपनी सबसे अच्छी दोस्त नेज़ी के साथ एक म्यूज़िक वीडियो में नज़र आईं।

स्टंट दिखाती नजर आएंगी मल्लिका, रोहित शेट्टी के शो से जुड़ने की खबर

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने साल 2002 में आई फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया। हालांकि, 2004 में आई फिल्म मर्डर से उन्हें पहचान मिली। काफी लंबे वक्त तक इंडस्ट्री से दूर रहने के बाद मल्लिका ने बीते साल विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से कमबैक किया। उन्हें लेकर खबर है कि वे खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगी। मल्लिका शेरावत को पहले भी इस स्टंट रियलिटी शो की पेशकश की जा चुकी हैं, मगर अपनी वर्क कमिटमेंट के चलते उन्होंने इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार संभावनाएं बनती दिख रही हैं।

मल्लिका के इस शो से जुड़ने की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इन सितारों से भी किया गया संपर्क

खतरों के खिलाड़ी शो को लंबे वक्त से रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। मल्लिका को इस शो से जुड़ने का ऑफर पहले भी दिया जा चुका है। लेकिन, पहले उन्होंने मना कर दिया। इस बार उनकी तरफ से सकारात्मक संकेत दिया जा रहा है। मल्लिका के अलावा एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, सिद्धार्थ निगम और गुल्की जोशी समेत कई और सितारों को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है।

इस महीने शुरू होने की संभावना

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है। इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है। मालूम हो कि खतरों के खिलाड़ी का पिछला सीजन करणवीर मेहरा ने जीता था।

जल्द 'नो एंट्री 2' लेकर आ रहे अनीस बज्मी, कॉमेडी-ड्रामा पर दिया अपडेट

दर्शक अनीस बज्मी की कॉमेडी-ड्रामा 'नो एंट्री 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता ने सीक्वल के बारे में बात की। जब अनीस बज्मी से पूछा गया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब तक रिलीज हो जाएगी तब उन्होंने बताया, अभी इसमें समय लगेगा क्योंकि मुझे फिल्म की कहानी लिखने में लगभग 2 से 3 महीने लगेंगे। इसके बाद ही हम फिल्म शुरू कर पाएंगे। अनीस बज्मी और बोनी कपूर ने साल 2005 में रिलीज हुई हिट कॉमेडी 'नो एंट्री' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है। बज्मी ने सोशल मीडिया पर ग्रीस में फिल्म के लिए अपने रेकी सेशन की कई तस्वीरें पोस्ट की। अनीस के साथ बोनी कपूर और फोटोग्राफी के निर्देशक मनु आनंद भी साथ नजर आए थे। तस्वीर में तीनों एक खूबसूरत लोकेशन के बीच पोज देते नजर आए। बज्मी ने कैप्शन में लिखा, निर्माता बोनी कपूर और मनु आनंद के साथ ग्रीस में नए रोमांच की योजना बना रहे हैं! 'नो एंट्री 2' की तैयारी चल रही है। 'नो एंट्री 2' के स्टारकास्ट और कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स का दावा है कि सीक्वल में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने इस विषय में अभी तक कुछ भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'नो एंट्री' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई था और प्रशंसकों को काफी पसंद आई थी। 'नो एंट्री' में अभिनेता सलमान खान के साथ अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में थे। 'नो एंट्री' की कहानी पर नजर डालें तो यह तीन विवाहित पुरुषों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नियों से अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर संबंधों को छिपाते हैं। बज्मी को उनके कॉमेडी फिल्मों के लिए खास तौर पर जाना जाता है। 'भूल भुलैया 2', 'भूल भुलैया 3', 'पागलपंती', 'रेडी', 'मुबारकां', 'वेलकम', 'वेलकम बैक', 'सिंह इज किंग', 'सैंडविच' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

बुरे समय में भी मैंने फिल्मों को 'ना' कहने का किया साहस

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपने 60वें जन्मदिन से पहले रविवार को मुंबई में 'आमिर खान- सिनेमा का जादूगर' फिल्म फेस्टिवल के लंच में शामिल हुए। इस दौरान खान ने फिल्म से जुड़े अपने कई अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर से बात की। जावेद अख्तर ने कहा, कौन अपने दिमाग से दंगल करता, जिसमें एक बूढ़े व्यक्ति की भूमिका थी, जो कुश्ती में अपनी बेटी से हार जाता है? आप जोखिम लेते हैं, कोई और नहीं ले सकता। आमिर ने कहा कि चयन करना एक ऐसी चीज है, जो उनके जीवन में बहुत पहले ही आ गई थी। अभिनेता ने कहा कि कयामत से कयामत तक में अपनी शुरुआत के बाद अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उस समय भी उन्होंने कई फिल्मों को ना कहा था। अभिनेता ने कहा, मेरे सबसे बुरे समय में भी मैंने नहीं कहने का साहस किया। अगर मैंने उस दिन समझौता कर लिया होता तो मेरा पूरा करियर समझौतों की एक सीरीज बन जाता। उन्होंने कहा, मुझे जीवन के सबसे बुरे समय में महेश भट्ट की एक फिल्म मिली। लेकिन मुझे वह फिल्म पसंद नहीं आई। मैंने हिम्मत की और महेश भट्ट को यह बात बताई। आमिर की गिनती हिंदी सिनेमा के एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में की जाती है, जो प्रयोग करने की हिम्मत रखते हैं और ऐसी फिल्में करते हैं जो बॉक्स-ऑफिस और सांस्कृतिक प्रभाव दोनों के मामले में मानक स्थापित करने की क्षमता रखती है। उनकी अन्य फिल्में जो पूरी तरह से लोकप्रिय हो गईं। इस लिस्ट में अंदाज अपना अपना, रंग दे बसंती, सरफरोश, तारे जमीन पर, 3 इडियट्स, दिल चाहता है, दंगल समेत अन्य फिल्मों के नाम शामिल हैं।

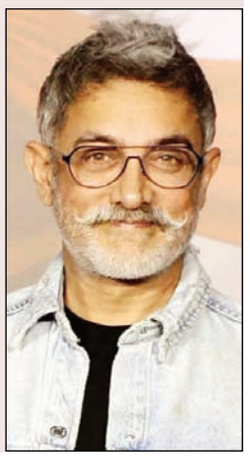

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

NAVEEN JAIN 9205862937
RAMESH AGGARWAL 9810772292
DEV GUPTA 9810013170

L R LAND PROMOTER

Deals in : Industrial, Commercial,
Agriculture & Farm House
Residential in All Huda
Sectors Faridabad

Also Deals in All Kinds of Rental Properties

SCF-157 Basement, Sector-9 Huda Market, Faridabad

हर्ष उल्लास के साथ मनाया होली का पर्व

महिलाएं गीत गाते हुए पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची होलिका दहन स्थल तक

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बृहस्पतिवार को क्षेत्र में होली का त्यौहार बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया महिलाओं व बच्चों ने नए वस्त्र आभूषण पहन कर होली का पूजन किया महिलाएं पारंपरिक रूप से गीत गाती हुई होली का दहन स्थल पर पहुंची। गुढ़ा वासी महिला विमला देवी ने कहा कि होलिका दहन की कहानी भक्त प्रहलाद और असुर राजा हिरण्यकश्यप से जुड़ी हुई है इस कहानी के मुताबिक, हिरण्यकश्यप ने अपने बेटे प्रहलाद को मारने के लिए अपनी बहन होलिका की मदद ली थी हिरण्यकश्यप ने अपने राज्य में सभी को यह आदेश दिया था कि कोई भी ईश्वर की पूजा नहीं करेगा बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु के परम भक्त था। हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को कई बार कष्ट देना चाहा, लेकिन भगवान विष्णु ने हर बार प्रहलाद का

साथ दिया कहा जाता है कि असुर राजा की बहन होलिका को भगवान शंकर से ऐसी चादर मिली थी जिसे ओढ़ने पर अग्नि उसे जला नहीं सकती थी। होलिका उस चादर को ओढ़कर प्रहलाद को गोद में लेकर चिता पर बैठ गई। दैवयोग से वह चादर उड़कर प्रहलाद के ऊपर आ गई, जिससे प्रहलाद से सकुशल बच गया ओर होलिका जलकर भस्म हो गई इसी घटना को याद करते हुए हर साल होलिका दहन किया जाता है इस मौके पर महिला बबली, भारती, साक्षी, कशिश, मयंक, रत्नेश सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थी।

होली के पावन, पुण्य पर्व पर बेरोजगारी, अशिक्षा, भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी, अन्याय जैसे दानव का करें अंत : रजत जैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। होली बुराई पर अच्छाई की जीत, भगवान के प्रतिसच्ची,भक्ति,निष्ठा व आस्था के रूप में मनाया जाने वाला पावन, पवित्र, पुण्य,आस्था का पर्व है।ये बात सर्व जातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष व समाजसेवी रजत जैन ने कही।इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर छुपे बुराई रूपी हिरण्यकश्यप का समूल रूप से अंत (मारना) करना चाहिए तभी भक्त पहलाद के सपने को साकार व भगवान नृसिंह के अवतार का उद्देश्य को साकार किया जा सकता है। क्योंकि भगवान नृसिंह ने भक्त के प्रति सच्ची श्रद्धा आस्था व भावना के सपने को साकार करते हुए एक भक्त की करुणा भरी पुकार पर भगवान हरी ने खंबे को चीरकर नृसिंह का अवतार लिया तथा सत्य और मर्यादा का सद्मार्ग जनमानस को दिखाया।रजत ने कहा की

बच्चों को स्वावलंबी, संस्कारवान, शिक्षित बनाएं: रजत जैन

नारी के मानसम्मान करने वाले नव समाज का करें निर्माण: उपाध्यक्ष

हरण्यकश्यप ने भक्त प्रहलाद को मारने के लिए अनेक अत्याचार किए।जब वह हर प्रकार के थक गया। तो उसने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया तथा भक्त पहलाद को मारने के लिए झांसी से लगभग 80 किलोमीटर दूर ऐरचनगर में एक अग्निकुंड का निर्माण करवाया और होलिका की गोद में भक्त पहलाद को बैठाकर उसे भस्म (मारने)करने का प्रयास किया। लेकिन भगवान ने अपने भक्त की रक्षा करते हुए। होलिका को भस्म कर दिया और भक्त पहलाद पूर्ण रूप से सुरक्षित बच गया।रजत ने कहा कि आज के समय में अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, भ्रष्टाचार, अन्याय जैसे दानवों का हम सबको मिलकर अंत कर, एक प्रगतिशील, संस्कारवान, नैतिक शिक्षा से परिपूर्ण, नारी का मान सम्मान, करने वाले, नव समाज का निर्माण करना है। यही बुराई पर अच्छाई की सच्चे अर्थों में विजय होगी।रजत ने नारी सशक्तिकरण के लिए नारी शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि आज के समय में नारी शिक्षा का महत्व अत्यधिक रूप से बढ़ गया है।इसलिए बिना किसी भेदभाव के लड़कियों की शिक्षा पर भी समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण ध्यान देकर उन्हें संस्कारवान बनाएं। जिससे कि नारी सशक्तिकरण का सपना पूर्ण रूप से साकार हो सके।अपने बच्चों को स्वाबलंबी, संस्कारवान, शिक्षित, बनाकर देश के विकास में अपनी पूर्ण भागीदारी निभाऐ। देश के विकास में एक नया आयाम स्थापित कर ,देश का सर्वांगीण विकास हो सके। देश को भ्रष्टाचार से मुक्त बनाने के लिए, हम सब दृढ़ संकल्प लेकर ये निर्णय लेना होगा की हम ना तो किसी को रिश्वत देंगे ना किसी से रिश्वत लेंगे। जन जाग्रतिअभियान चलाकर व अहिंसा के पथ पर चलकर देश को भ्रष्टाचार व अपराध मुक्त बना कर भारत वर्ष को सोने की चिड़िया बनाने का संकल्प ले। होली पर चंदन, हल्दी, रोली, चंदन, गुलाल से तिलक लगाकर होली का पर्व मनाऐ।

शरणागत की रक्षा करने के लिए संकल्पित हैं भगवान : स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य

श्री सिद्धदाता आश्रम में धूमधाम के साथ मनाई गई होली

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम श्री लक्ष्मीनारायण दिव्य धाम में होली का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान अपने शरणागत की हर प्रकार से रक्षा करते हैं। उन्होंने स्वयं वचन दिया है कि जो मेरे शरणागत होगा, उसके कुशलक्षेम का ख्याल मैं रखूंगा। उन्होंने कहा कि भगवान के रूप में गुरु जनों ने हमें बताया कि सेवा करने से इस मानव जीवन से मुक्ति तक की राह आसान हो सकती है, लेकिन सेवा करते समय किसी वस्तु की मांग करना गलत है। अध्यात्म में सेवा करने वाले की निजी मांग नहीं होनी चाहिए। आप ऐसे सेवा करें कि जैसे भगवान ने

आपको यही काम सौंपा है। ऐसे व्यक्ति के मन में प्रेम उपजता है और प्रेम परमात्मा के निकट लाता है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आप सभी आश्रम के विचारों को प्रचारित प्रसारित करने में अपना सहयोग करें। बता दें कि यहां पर 29 मार्च को विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स की एक मीट रखी गई है जो आश्रम के प्रचार प्रचार में अपना सहयोग देंगे। इस अवसर पर सुमधुर भजन तत्पश्चात आशीर्वाद एवं भोजन प्रसाद पाकर भक्तों ने प्रस्थान किया। आश्रम के बाहर भी पूरा दिन अनेक प्रकार के लंगर चलते रहे। वहीं जयपुर से आए मशहूर गायक संजय पारीक और लोकेश शर्मा ने भजनों पर भक्तों को खूब झुमाया। कार्यक्रम में पहुंची फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि वह आश्रम वर्षों से आती हैं और यह आश्रम सभी को उनकी मनोवांछित इच्छाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिताजी के साथ भी आश्रम आती रही हैं और हाल में भी अनेक बार आश्रम आई हैं । यह आश्रम दिव्य है। उनके साथ उनके पति एवं भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य संदीप जोशी और भाजपा जिला फरीदाबाद अध्यक्ष राजकुमार बोहरा सहित अनेक नवनिर्वाचित पार्षद भी आश्रम में माथा टेकने पहुंचे।

फरीदाबाद में महिलाओं ने सूत के धागे से बांधी होलिका

होली पूजन की पुरानी परंपरा, गोबर के उपले किए समर्पित

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ में होली के त्योहार को लेकर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर श्रद्धा और भक्ति के साथ होलिका की पूजा की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सिपाही लगाए थे। आज होलिका पूजने के लिए महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनकर होलिका स्थल पर पहुंची और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने सूत के कच्चे धागे से होलिका को बांधकर परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की और परिक्रमा की। श्रद्धालुओं का मानना है कि इस पूजा से परिवार में खुशहाली बनी रहती है और बुरी शक्तियों का नाश होता है। महिलाओं ने बताया कि होली से एक दिन पहले होलिका की पूजा करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। पौराणिक कथा के अनुसार राजा हिरण्यकश्यप की बहन होलिका ने अपने भतीजे विष्णु भक्त प्रहलाद को जलाने के उद्देश्य से आग में प्रवेश किया था, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रहलाद सुरक्षित रहे और होलिका जलकर भस्म हो गई। घटना के प्रतीक रूप में हर साल होलिका दहन किया जाता है और उससे पहले श्रद्धापूर्वक पूजा की जाती है। महिलाओं ने बताया कि वे इस परंपरा को पिछले 40 वर्षों से निभा रही हैं और आज भी पूजा का तरीका वैसा ही है। पूजन में लेकर आने वाले सामानों के बारे में भी महिलाओं ने बताया। उन्होंने कहा कि पूजा में गोबर के उपलों का उपयोग किया, जिन्हें सूत के धागे से बांधकर होलिका को समर्पित किया गया। मान्यता है कि दहन के दौरान गोबर के उपले जल जाते हैं, लेकिन सूत का धागा नहीं जलता, जो आस्था और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। शाम को परंपरागत रूप से होलिका दहन किया जाएगा।

एकॉर्ड अस्पताल में अनोखी होली उत्सव, किडनी रोगियों ने स्टेज पर मचाया धमाल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल में विश्व किडनी दिवस के अवसर पर होली उत्सव का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में कलाकारों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। 'फागुन के दिन चार रे, होली खेले मना रे' जैसे गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार ने कहा कि कार्यक्रम की खास बात यह रही कि किडनी रोगियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया। उनके इस जोश और उत्साह ने उपस्थित लोगों को किडनी से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक किया और यह संदेश दिया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि भारत में किडनी संबंधी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसके प्रमुख कारण

अनियमित खान-पान, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और पर्याप्त पानी न पीना हैं। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर किडनी रोगों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर अस्पताल में किडनी डोनर्स को सम्मानित किया गया, जिन्होंने जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने का काम किया। कार्यक्रम में अस्पताल सर्जरी डिपार्टमेंट चेयरमैन डॉ. प्रबल रॉय, आर्थोपेडिक डिपार्टमेंट चेयरमैन डॉ. युवराज कुमार, न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट चेयरमैन डॉ. रोहित गुप्ता, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या कुमार, डॉ. पुनीता हसीजा, डॉ. सुरेश अरोड़ा, डॉ.सुखविंद्र और आईएलबीएस अस्पताल के वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. आर के माथुर ने भी भाग लिया और किडनी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने पर बल दिया। होली महोत्सव में अस्पताल कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ. पंकज रॉय और डायलिसिस की टीम ने होली के गानों पर रंगारंग डांस की प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राधा-कृष्ण की विशेष झांकी और उनकी मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। अस्पताल के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ जोशी ने कहा कि वह एकॉर्ड के साथ मिलकर वह नित नई टेकनीक को फरीदाबाद में ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में विकसित कर रहे हैं। उन्होंने हाल में किये गए नई नोट्स तकनीक से किडनी ट्रांसप्लांट से सभी को अवगत कराया। डॉ. वरुण कटियार ने पीडियाट्रिक ट्रांसप्लांट पर भी प्रकाश डाला। डॉ. वीके उपाध्याय किडनी दान करने वाले लोगों को समाज का सच्चा नायक बताते हुए कहा कि ऐसे लोग कई जिंदगियों को बचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन ने जहां होली के रंग बिखेरे, वहीं किडनी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया।

भाईचारे व एकता का प्रतीक होता है होली का त्यौहार : डॉ राजेश भाटिया

ब्यापार मंडल एवं फरीदाबाद टूल्स एंड हार्डवेयर एसो. ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। ब्यापार मंडल फरीदाबाद (रजि.) एवं फरीदाबाद टूल्स एंड हार्डवेयर एसो. ने संयुक्त रुप से तिकोना पार्क स्थित ब्यापार मंडल के कार्यालय पर होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में लोगों ने फूलों की होली खेली वहीं एक दूसरे को चंदन का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

इस दौरान होली के रसियो पर खूब डांस किया गया। इस मौके पर ब्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान राजेश भाटिया ने कहा कि होली का त्यौहार भाईचारे व एकता का प्रतीक होता है, इसलिए हम सभी को इस त्यौहार को मिलजुलकर मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि होली के दिन दिल के सभी गिले शिकवे भुलाकर सभी से प्रेम व सौहार्द से मिलना चाहिए और अपनी आपसी एकता का परिचय देना चाहिए वहीं फरीदाबाद टूल एंड हार्डवेयर संगठन के प्रधान बी.एन. मिश्रा ने कहा कि

होली एक पावन पर्व है इसलिए इस दिन शराब इत्यादि का सेवन न करते हुए नाचते गाते और अच्छे-अच्छे व्यंजनों का लुत्फ उठाकर इसे मनाना चाहिए। उन्होंने भव्य होली मिलन समारोह के आयोजन पर ब्यापार मंडल फरीदाबाद व फरीदाबाद टूल्स एंड हार्डवेयर एसो. के सभी पदाधिकारियों व सदस्यगणों को बधाई दी।

इस मौके पर ब्यापार मंडल के प्रधान डॉ राजेश भाटिया के संग चैयरमेन-जगदीश भाटिया एवं वेद कुकरेजा, वरिष्ठ उप प्रधान-सी.पी. कालरा, उप प्रधान-सोमनाथ ग्रोवर, हरीश सेठी एवं हरीश भाटिया, महासचिव-बंसीलाल कुकरेजा, कोषाध्यक्ष-गगन अरोड़ा, कानूनी सलाहकार-आर.के. मल्होत्रा तथा कार्यकारिणी सदस्यों में रिंकल भाटिया, सचिन भाटिया, अमित नरूला, प्रेम बब्बर, रविंद्र गुलाटी, विशाल भाटिया, बंटी विरमानी, फरीदाबाद टूल्स एंड हार्डवेयर एसो. के प्रधान भोलानाथ मिश्रा, उपप्रधान मनीष अदलखा, महासचिव शैलेश मुंदडा, संयुक्त सचिव मनोज सोमानी, कोषाध्यक्ष सुमित खंडेलवाल एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।